संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
4 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 161
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में क्यूएए–क्यूसीआई और क्यूएए–एनएबीएल के बीच एम.ओ.यू.

पेज-8

राजनाथ-बेलौसोव जल्द करेंगे मुलाकात, एस-400, सुखोई अपग्रेड और नए हथियार सौदे पर फोकस

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलौसोव के बीच बृहस्पतिवार को होने वाली वार्ता में एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद, सुखोई 30 लड़ाकू विमानों के उन्नयन और रूस से अन्य महत्वपूर्ण सैन्य साजो सामान खरीदने में भारत की रुचि एजेंडे में रहेगी।

शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने बताया कि समग्र ध्यान दोनों देशों के बीच पहले से ही घनिष्ठ रक्षा और सुरक्षा संबंधों को और विस्तारित करने पर होगा, जिसमें रूस से भारत को सैन्य साजो सामान की शीघ्र आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बेलौसोव रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। राजनाथ सिंह और आंद्रे बैलोसोव के बीच यह वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पुतिन के बीच शिखर बैठक से एक दिन पहले होगी।

बेलौसोव के साथ बैठक में, भारतीय पक्ष द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर सैन्य साजो सामान की आपूर्ति पर ज़ोर दिए जाने की संभावना है। सशस्त्र बलों की यह लंबे समय से शिकायत रही है कि रूस से महत्वपूर्ण पुर्जों और उपकरणों की आपूर्ति में लंबा समय लगता है, जिससे उस देश से खरीदी गई सैन्य प्रणालियों का रखरखाव प्रभावित होता है। ऐसा माना जा रहा है कि भारत रूस से सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त खेप खरीदने पर विचार कर रहा है, क्योंकि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ये हथियार बेहद कारगर साबित हुए थे।

एक अधिकारी ने बताया कि रक्षा वार्ता में इस मुद्दे पर चर्चा हो सकती है। अक्टूबर 2018 में, भारत ने रूस के साथ एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की पांच इकाइयों को खरीदने के लिए पांच अरब अमरीकी डालर के समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि अनुबंध पर आगे बढ़ने से 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट' (सीएएटीएसए) के प्रावधानों के तहत अमेरिकी प्रतिबंध लग सकते हैं। तीन स्क्वाड्रन की आपूर्ति पहले ही हो चुकी है। एस-400 प्रणालियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारत रूस से एस-500 मिसाइल प्रणाली खरीदने पर भी विचार कर सकता है।

रूसी सत्ता प्रतिष्ठान 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि रूस द्वारा भारत को एसयू-57 लड़ाकू विमान की आपूर्ति की संभावना पर चर्चा हो सकती है। भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की एक खेप खरीदने की प्रक्रिया में है। दसॉ एविएशन का राफेल, लॉकहीड मार्टिन का एफ-21, बोइंग का एफ/ए-18 और यूरोफाइटर टाइफून मुख्य दावेदार हैं।

मोदी-पुतिन शिखर बैठक में भारत-रूस के समग्र रक्षा संबंधों की समीक्षा होने की भी संभावना है। भारत और रूस संबंधों के संपूर्ण आयाम की समीक्षा के लिए प्रतिवर्ष भारत के प्रधानमंत्री और रूसी राष्ट्रपति के बीच एक शिखर बैठक आयोजित होती है। अब तक भारत और रूस में बारी-बारी से 22 वार्षिक शिखर बैठकें हो चुकी हैं। रूस के राष्ट्रपति ने आखिरी बार 2021 में नई दिल्ली का दौरा किया था। पिछले साल जुलाई में, प्रधानमंत्री मोदी वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए मॉस्को गए थे।

सीबीआई ने व्हाट्सएप-सीबीआई घोटालों से नागरिकों को सावधान रहने का किया आग्रह

शिमला- केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने व्हाट्सएप संदेशों, वीडियो कॉल, ईमेल और फर्जी फोन नंबरों के माध्यम से सीबीआई अधिकारी बनकर साइबर अपराध करने वालों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि के बाद देशव्यापी अलर्ट जारी किया है।

ये संगठित गिरोह मनगढ़ंत आरोपों से लोगों को डरा रहे हैं और अस्तित्वहीन जांचों को निपटाने की आड़ में धन की उगाही कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, धोखेबाज अब अपनी धमकियों को विश्वासपूर्ण बनाने के लिए एआई-जनित सम्मनों, जाली गिरफ्तारी वारंट, गलत पहचान पत्र, डीपफेक आवाज़ एवं वीडियो जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। सरकारी प्रक्रियाओं से अनभिज्ञ अनेक व्यक्ति इन चालाकीपूर्ण ठगी का शिकार हो रहे हैं और उन्हें भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है।

एक कड़ी चेतावनी जारी करते हुए, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (राज्य साइबर अपराध एवं सतर्कता) श्री नरवीर सिंह राठौर, ने कहा कि इस तरह के छद्म घोटाले हाल के वर्षों में सबसे ज्यादा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालने वाले अपराधों में से हैं। उन्होंने कहा कि सीबीआई या कोई भी कानून प्रवर्तन एजेंसी कभी व्हाट्सएप के माध्यम से नोटिस नहीं भेजती, भुगतान की मांग नहीं करती और कॉल द्वारा गिरफ्तारी की धमकी नहीं देती।

श्री राठौर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश साइबर पुलिस इन धोखाधड़ी के पीछे सक्रिय वीओआईपी आधारित नेटवर्क और फर्जी डिजिटल पहचान पर सक्रिय रूप से नज़र रख रही है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे संदिग्ध कॉलों को तुरंत काट दें, धमकी भरे संदेशों का जवाब देने से बचें तथा ऐसी घटनाओं की सूचना तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें। यह चेतावनी केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा राज्य के गृह सचिवों, डीजीपी, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ बुलाई गई।

मोटी-मोटी बातें

पहली बार इतने नीचे गिरा रुपया, 1 अमेरिकी डालर की कीमत 90.25 रुपया

मुंबई- रुपया कारोबार के दौरान 90.25 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर मुंबई, तीन दिसंबर (भाषा) रुपया बुधवार को कारोबार के दौरान 29 पैसे टूटकर 90.25 प्रति डॉलर के सबसे निचले स्तर पर आ गया।

विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों की ओर से डॉलर की सतत खरीद के बीच घरेलू मुद्रा दबाव में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर असमंजस ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 89.96 पर खुला। कारोबार के दौरान 29 पैसे की गिरावट के साथ 90.25 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया।

रुपया मंगलवार को 43 पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 89.96 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, '' भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) निर्यातकों की मदद करना चाहते हैं जिससे रुपया कमजोर हो रहा है। पिछले कुछ दिनों में डॉलर की मांग भी अच्छी बनी हुई है।''

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों ने मंगलवार को लगातार उच्च स्तर पर डॉलर खरीदे। मौद्रिक समिति की बैठक बुधवार को शुरू हो रही है और नीतिगत दर पर फैसले की जानकारी पांच दिसंबर को दी जाएगी।

भंसाली ने कहा, '' केंद्रीय बैंक के रेपो दर में कटौती करने से रुपये में और बिकवाली हो सकती है।'' इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.17 पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स कारोबार के दौरान 277.23 अंक की गिरावट के साथ 84,861.04 अंक पर और निफ्टी 111.70 अंक फिसलकर 25,920.50 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.43 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,642.30 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

कट्टरपंथी अमृतपाल के पक्ष में बोले रवनीत बिट्टू, कहा- मिलनी चाहिए अंतरिम पैरोल

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने जेल में बंद खालिस्तान समर्थक व कट्टपंथी सांसद अमृतपाल सिंह को अंतरिम पैरोल देने की सार्वजनिक रूप से वकालत की है। खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल इस समय सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत असम की डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल में नजरबंद हैं। बिट्टू ने मंगलवार को नई दिल्ली में संसद के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कही।

बिट्टू का यह रुख पंजाब में राजनीतिक जमीन तलाश रही भाजपा की रणनीतिक तैयारियों का संकेत माना जा रहा है, जहां पार्टी के पास 117 सदस्यीय विधानसभा में एक भी सीट नहीं है और 'आप' सरकार सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रही है। बिट्टू की ये टिप्पणियां अमृतपाल पर उनकी पहले की तीखी आलोचना से बिल्कुल विपरीत है।

अमृतपाल ने नजरबंदी के बावजूद 2024 के लोकसभा चुनाव खडूर साहिब से बतौर निर्दलीय उम्मीदवार लड़ा और जीत हासिल की। उन्हें भारत–पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित इस संसदीय क्षेत्र से 4,00,000 से अधिक वोट मिले। जून 2024 में उन्हें दिल्ली में संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए चार घंटे की पैरोल मिली थी, जिसके दौरान उन्होंने 'खालसा राज्य' संबंधी अपने दृष्टिकोण की फिर पुष्टि की। इस दौरान उन्होंने सिख अलगाववादी विचारों का उल्लेख किया, जिसकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने कड़ी आलोचना की।

बिट्टू ने अमृतपाल को अंतरिम पैरोल देने की मांग ऐसे समय में उठाई है जब संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। संसद के बाहर मीडिया से बात करते हुए बिट्टू ने आम आदमी पार्टी की अगुवाई वाली पंजाब सरकार पर अमृतपाल की पैरोल अर्जी में बाधा डालने का आरोप लगाया।

12 सीटों में से 7 भाजपा, 3 आप, एक-एक सीट कांग्रेस व ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने जीती

नयी दिल्ली- दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्ड में हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सात, आम आदमी पार्टी (आप) ने तीन, जबकि कांग्रेस और ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक ने भी एक-एक वार्ड पर जीत दर्ज की।

एमसीडी के 12 वार्ड में हुए उपचुनाव के लिए सुबह आठ बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 10 मतगणना केंद्रों पर मतों की गिनती शुरू हुई। ये नगर निकाय उपचुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे थे क्योंकि इस साल फरवरी में दिल्ली में सत्ता में आने के बाद यह उसकी पहली बड़ी चुनावी लड़ाई है।

भाजपा उम्मीदवार सुमन कुमार गुप्ता ने चांदनी चौक वार्ड से 'आप' के प्रत्याशी हर्ष शर्मा को 1,182 मतों के अंतर से हराया। भाजपा ने शालीमार बाग बी वार्ड में भी जीत दर्ज की है जहां अनीता जैन ने 10,000 से अधिक मतों के अंतर से 'आप' प्रत्याशी बबीता राणा को हराया है।

शालीमार बाग बी वार्ड भाजपा पार्षद रेखा गुप्ता के फरवरी में विधानसभा चुनाव जीतने और दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के बाद खाली हुआ था। 'आप' ने मुंडका और दक्षिणपुरी वार्ड जीते, जबकि कांग्रेस के सुरेश चौधरी ने भाजपा के सुभाजीत गौतम को हराकर संगम विहार ए वार्ड पर जीत हासिल की। चौधरी को 12,766 वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी को 9,138 वोट हासिल हुए।

अशोक विहार वार्ड में भाजपा की वीना असीजा और 'आप' की सीमा गोयल के बीच कड़ी टक्कर थी, लेकिन असीजा ने 405 मतों के अंतर से जीत हासिल कर ली। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के उम्मीदवार मोहम्मद इमरान ने आम आदमी पार्टी के मुदस्सर उस्मान को 4,692 मतों के अंतर से हराकर चांदनी महल सीट जीत ली।

जापान दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री के सूहृदय प्रयासों से राज्य में 400 करोड़ रुपए के निवेश का रास्ता खुला

पंजाब और जापान की प्रमुख कंपनी टी.एस.एफ. के बीच राज्य में स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने के लिए एमओयू साइन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में औद्योगिक विकास को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए जापान की अग्रणी कंपनी टॉपन स्पेशलिटी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड (टी.एस.एफ.) ने बुधवार को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के साथ अपनी विस्तार योजना के हिस्से के रूप में 400 करोड़ रुपए का निवेश करने के लिए औपचारिक समझौता किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री, जो इन दिनों जापान दौरे पर हैं, ने बताया कि टी.एस.एफ. और इन्वेस्ट पंजाब ने राज्य में एक स्किल एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने के लिए साझेदारी और सहयोग पर सहमति जताई है, ताकि हुनरमंद/अर्ध-हुनरमंद व्यक्तियों, कामगारों और युवाओं को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ पंजाब में नए रोजगार

अवसर भी उत्पन्न करेगी।

साझेदारी के क्षेत्रों की जानकारी देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह सहयोग वर्तमान और उभरते उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करने पर आधारित होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह साझेदारी उन आधुनिक और तकनीकी कौशलों पर भी केंद्रित है जो आज सामान्यतः उपलब्ध नहीं हैं। समझौते के तहत उद्योग और वैश्विक मानकों के अनुसार प्रशिक्षण प्रमाणन भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता (एमओयू)पंजाब और पूरे भारत में टी.एस.एफ. तथा अन्य बड़े उद्योगों में अप्रेंटिसशिप और रोजगार अवसरों के नए रास्ते खोलेगा। मान ने बताया कि यह परियोजना किसी पॉलिटेक्निक/तकनीकी संस्थान के साथ संयुक्त रूप से प्रशिक्षण और शैक्षणिक सहयोग को भी मजबूत करेगी।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उद्योग की आवश्यकताओं के आधार पर टी.एस.एफ. वित्तीय सहायता, तकनीकी जानकारी, प्रशिक्षण सहयोग और पाठ्यक्रम निर्माण में भी मदद करेगा। इस दौरान अप्रेंटिसशिप की सुविधा भी उपलब्ध होगी और योग्य प्रशिक्षुओं को उपयुक्त रोजगार अवसर मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के प्रयासों के कारण टी.एस.एफ. ने लगभग 400 करोड़ रुपए के निवेश से पंजाब में अपनी मौजूदा विनिर्माण सुविधा का विस्तार करने की औपचारिक इच्छा व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निवेश का उद्देश्य उत्पादन क्षमता बढ़ाना, नये रोजगार सृजन, उन्नत तकनीक को शामिल करना और भारत में कंपनी की दीर्घकालिक उपस्थिति को मजबूत करना है।

आरिफ खान और नीतीश ने देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

पटना- बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को उनकी जयंती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री खान और श्री कुमार ने आज देशरत्न डॉ.राजेन्द्र प्रसाद की 141वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राजकीय समारोह में यहां राजेन्द्र चौक स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन

किया।

श्री खान और श्री खान ने माल्यार्पण के बाद स्वदेशी कंबल आश्रम की चरखा कात रही महिलाओं के बीच साड़ी वितरण कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

राजेन्द्र चौक से राज्यपाल श्री खान एवं मुख्यमंत्री श्री कुमार ने राजेन्द्र घाट समाधि स्थल पहुँचकर देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की समाधि पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, विधायक श्याम रजक, अश्वमेध देवी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा सहित अन्य सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने भी देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को नमन कर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' की दूसरी किस्त की जारी

7 लाख 1 हजार 965 लाभार्थी बहनों के खातों में डाली गई लगभग 148 करोड़ रुपये की राशि

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' की दूसरी किस्त जारी की। आज की किश्त जारी होने के साथ ही 7 लाख 1 हजार 965 लाभार्थी बहनों के खातों में लगभग 148 करोड़ रुपये की राशि का लाभ पहुंचा है।

मुख्यमंत्री बुधवार को यहां आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सामाजिक न्याय अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि अब इस योजना का लाभ 3 माह के अंतराल में दिया जाएगा और 3 माह की राशि का एक साथ भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना सिर्फ आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक मजबूत पहल है।

उन्होंने कहा कि गत 25 सितंबर को 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' ऐप का शुभारंभ पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के 109वें जन्मदिवस के

अवसर पर किया था। उसके बाद 1 नवंबर को पात्र महिलाओं को पहली किस्त जारी कर उन्हें लाभ प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐप पर गत 30 नवंबर तक 9 लाख 592 महिलाओं ने आवेदन किया है। इनमें से 7 लाख 1 हजार 965 महिलाएं पात्र पाई गई हैं। इनमें से 5 लाख 58 हजार 346 महिलाओं ने अपना आधार KYC पूरा कर लिया है। जबकि, 1 लाख 43 हजार 619 महिलाओं का वेरिफिकेशन पेंडिंग है।

उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं का आधार केवाईसी का अंतिम चरण अभी भी बकाया है, उनसे निवेदन है कि वे जल्द से जल्द इसे पूरा कर लें। जैसे ही यह प्रोसेस पूरा होगा, उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

टेक्नोलॉजी से पारदर्शिता

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का लाभ 23 वर्ष या इससे अधिक आयु की वे सभी महिलाएं ले सकती हैं, जिनके परिवार की वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। इस योजना का विशेष पहलू यह है कि परिवार की सभी पात्र महिलाएं इस योजना का लाभ ले सकती हैं। इस योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और ऑनलाइन है। आवेदन 'लाडो लक्ष्मी मोबाइल ऐप' के माध्यम से किसी भी स्थान से किसी भी समय सरलता से किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आवेदन पूरा होते ही 24 से 48 घंटे में सारी वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी कर ली जाती है और पात्र पाई गई महिलाओं को एसएमएस द्वारा सूचित कर दिया जाता है। इस एसएमएस में उनसे निवेदन किया जाता है कि वे आवेदन के अंतिम चरण में इसी ऐप पर दोबारा जाकर अपना लाइव फोटो खींचकर अपलोड करें। जैसे ही आधार डेटाबेस के माध्यम से ई- केवाईसी हो जाती है, उसके बाद सेवा विभाग इस योजना की आईडी जारी कर देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के लिए महिलाओं का बहुत अच्छा रिस्पॉन्स आ रहा है और प्रतिदिन औसतन 3 से 4 हजार महिलाओं की ओर से आवेदन किया जा रहा है। हरियाणा सरकार की यह पहल न सिर्फ सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करती है, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प को भी मजबूती देती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जन कल्याण के लिए जो संकल्प किए थे, उसे सरकार लगातार पूरा कर रही है। हर घर - हर गृहिणी योजना के तहत लगभग 15 लाख से ज्यादा महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। इसके अलावा किडनी रोगियों को फ्री डायलिसिस की सुविधा प्रदान की गई है। इतना ही नहीं हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां किसानों की फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही है। इस अवसर पर सामाजिक न्याय अधिकारिता अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती जी अनुपमा, सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग, सेवा विभाग के निदेशक श्री प्रशांत पंवार और सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के क्षेत्रीय प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज जिला कांगड़ा के धर्मशाला के निकट दाड़ी में हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 3.5 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित क्षेत्रीय प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण किया। यह प्रयोगशाला 938.44 वर्ग मीटर में फैली हुई है, जिसमें 234.61 वर्ग मीटर में प्रयोगशाला भवन का निर्माण किया गया है। इसके बेसमेंट का उपयोग पार्किंग के लिए किया जाएगा। इस बहुमंजिला भवन में बिजली, जल आपूर्ति के साथ अन्य आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जिससे इस प्रयोगशाला के संचालन में सहायता मिलेगी। प्रयोगशाला में पानी और अपशिष्ट जल की गुणवत्ता जांच, वायु गुणवत्ता निगरानी और सूक्ष्मजीव परीक्षण के लिए अलग-अलग अनुभाग बनाए गए हैं, जिससे विभिन्न

पर्यावरणीय परीक्षण और निगरानी कार्य गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित किए जा सकेंगे। भवन में सैंपल संग्रहण कक्ष, रसायन व कांच सामग्री भंडारण कक्ष, रिकॉर्ड कक्ष, मीटिंग हॉल और कर्मचारियों के लिए समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे कार्यों का निष्पादन सुगमतापूर्वक किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रयोगशाला के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त बजट का प्रदान किया है। इसे एनएबीएल मानकों के अनुरूप बनाया गया है। आधुनिक संरचना, उन्नत विश्लेषण क्षमता और बेहतर सुरक्षा प्रावधानों के साथ यह नया भवन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तकनीकी क्षमता, कार्यकुशलता और सेवा स्तर को और अधिक बेहतर करेगा। इस अवसर पर आयुष मंत्री यादवेंद्र गोमा, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया, विधायक संजय अवस्थी, हरीश जनारथा एवं सुरेश कुमार, कांग्रेस नेता देवेंद्र जग्गी, एपीएमसी कांगड़ा के अध्यक्ष निशु मोंगरा, नगर निगम धर्मशाला की महापौर नीनू शर्मा, मुख्य सचिव संजय गुप्ता, उपायुक्त हेमराज बैरवा, पुलिस अधीक्षक अशोक रतन, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव प्रवीण गुप्ता और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

जिला पुनर्वास केन्द्र धर्मशाला में विश्व दिव्यांगता दिवस का आयोजन

दिव्यांगजनों को प्रदान किये गए सहायक उपकरण

धर्मशाला । जिला रेडक्रॉस सोसायटी कांगड़ा द्वारा आज रेडक्रास प्रयास भवन धर्मशाला में संचालित जिला पुनर्वास केन्द्र में विश्व दिव्यांगता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोसायटी द्वारा पात्र दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किये गये। इस अवसर पर संतोष कटोच एवं उर्मिल राणा ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

इस अवसर पर सचिव रेडक्रॉस सोसायटी ओपी शर्मा ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश शिमला के सहयोग से प्रयास भवन धर्मशाला में जिला पुनर्वास केन्द्र संचालन किया जा रहा है । इस केन्द्र में दिव्यांग व्यक्तियों को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाऐं प्रदान की जा रही हैं । रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से दिव्यांग व्यक्तियों के कल्याण के लिए महीने के प्रत्येक शुक्रवार को क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला में, महीने के प्रत्येक शनिवार (दूसरे शनिवार को छोड़कर) को सिविल अस्पताल पालमपुर में तथा महीने के तीसरे मंगलवार को सिविल अस्पताल नुरपुर में मेडिकल बोर्ड कैम्प का आयोजन किया जा रहा है तथा पात्र दिव्यांग व्यक्तियों को मौके पर ही सहायता उपकरण उपलब्ध करवाये जा रहे हैं । इसके अतिरिक्त रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा जिला के अन्य क्षेत्रों में भी दिव्यांग व्यक्तियों की सुविधा के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी कांगड़ा के परामर्श पर मेडिकल बोर्ड कैम्प का आयोजन भी किया जाता है । यदि किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का सहायता उपकरण जैसे कि व्हील चेयर, बैसाखियाँ, तिपहिया साईकिल, चलन छड़ी, श्रवण यंत्र, स्मार्ट केन, सीपी चेयर, वॉकर तथा कृत्रिम अंग इत्यादि की आवश्यकता हो तो औपचारिकताएं पूर्ण कर निःशुल्क उपकरण प्राप्त कर सकते हैं।

आधार प्रमाणीकरण संचालकों और निरीक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिमला। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने डॉ. मनमोहन सिंह हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान मशोबरा में आधार प्रमाणीकरण संचालकों और निरीक्षकों के लिए एक दिवसीय राज्य स्तरीय मेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यशाला में डिजिटल टेक्नोलॉजीज एवं गवर्नेंस, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड से 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आधार प्रमाणीकरण प्रणाली, नियम, प्रक्रियाएं, सर्वोत्तम प्रथाएं और सुरक्षित एवं सुचारू सेवा प्रदान करने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल को शामिल किया गया। सत्र के दौरान कौशल विकास, डेटा की शुद्धता, गोपनीयता और व्यावहारिक समस्या-समाधान पर विशेष बल दिया गया। प्रतिभागियों ने चर्चा और वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित व्यावहारिक जानकारी हासिल की। कार्यक्रम का शुभारम्भ यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ के उप-निदेशक तेजिंदर पाल सिंह ने किया। यूआईडीएआई मुख्यालय से अनिल शर्मा, अनुपालन विभाग के एएम कुलदीप शर्मा और राज्य परियोजना प्रबंधक विजय एस. सिंह ने विस्तृत तकनीकी एवं व्यावहारिक सत्रों का संचालन किया।

नवार क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात की

शिमला। शिमला ज़िले के जुब्बल-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र के नावर क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज यहाँ शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इस क्षेत्र को एक शैक्षिक केंद्र बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की सराहना की, जिससे छात्रों को उनके घरों के पास ही व्यापक शैक्षणिक अवसर और बेहतर सुविधाएँ मिल सकें। प्रतिनिधिमंडल ने राजकीय महाविद्यालय, टिक्कर में चार वर्षीय एकीकृत बी.एड. पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा के लिए शिक्षा मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक निर्णय से क्षेत्र में शिक्षा का स्तर मज़बूत होगा और छात्रों को सीखने के अवसर भी मिलेंगे।

उन्होंने सावरा कॉलेज में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए भी मंत्री जी का आभार व्यक्त किया, जिससे छात्र अब बी.वी.ओ.सी. (आतिथ्य एवं पर्यटन) और बी.वी.ओ.सी. (खुदरा एवं वित्त) जैसे स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश ले सकेंगे। कॉलेज में एमए अंग्रेजी, एमए हिंदी और एम.कॉम सहित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाएँगे। इसके अलावा, एलबीएस राजकीय महाविद्यालय

सरस्वती नगर में दो वर्षीय बी.पी.एड. पाठ्यक्रम को मंजूरी दी गई है, जिससे स्थानीय और राज्य भर के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के अवसर और बढ़ेंगे। प्रतिनिधिमंडल ने स्कूलों में सीबीएसई लागू करने के निर्णय की सराहना की, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में काफी वृद्धि होगी और बच्चे भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि कोटखाई में दो केंद्रीय विद्यालयों में से एक की स्वीकृति और कई नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत, जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग (पॉलिटेक्निक विंग), इलेक्ट्रिक वाहन इंजीनियरिंग (आईटीआई विंग), बी.टेक सिविल इंजीनियरिंग और अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एबीजीआईईटी), प्रगतिनगर में सिविल इंजीनियरिंग (पॉलिटेक्निक विंग) का पुनरुद्धार, पूरे निर्वाचन क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। ये पहल इस क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाएगी। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री के निरंतर प्रयासों और प्रतिबद्धता की भी सराहना की, जिन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को लगातार प्राथमिकता दी है और राज्य तथा राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर उनका प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व किया है।

उन्होंने स्थानीय विकास से संबंधित विभिन्न मांगें भी शिक्षा मंत्री के समक्ष रखीं। रोहित ठाकुर ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सभी जायज़ मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य और क्षेत्र का विकास वर्तमान सरकार की सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इस अवसर पर जुब्बल-कोटखाई कांग्रेस अध्यक्ष मोती लाल डेरटा, ग्राम पंचायत प्रधान, उप-प्रधान, स्थानीय कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता और अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सदन की कार्यवाही देखने छात्र - छात्राओं का उमड़ा जनसैलाव, विधान सभाअध्यक्ष से मुलाकात कर समझी संसदीय प्रणाली

धर्मशाला । आज अपराह्न 1:30 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला महनुता, रायपुर, रैत, डाढ़, ज्वालामुखी, बरबाता, आधुनिक पब्लिक स्कूल धर्मशाला, हिमालयन पब्लिक स्कूल चुवाड़ी तथा राजकीय उच्च विद्यालय बलूही खास के लगभग 500 छात्र - छात्राओं ने विधान सभा सचिवालय पहुँचकर हि0प्र0 विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से मुलाकात की तथा सदन की कार्यवाही को देखा। मुलाकात के दौरान छात्र - छात्राओं ने विधान सभा अध्यक्ष से संसदीय प्रणाली, विधान सभा की कार्यवाही, पीठासीन अधिकारी की सदन में भूमिका तथा सत्र संचालन सम्बन्धी कई प्रश्न पूछे। विधान सभा अध्यक्ष ने सभी छात्रों को इसकी भरपूर जानकारी दी तथा सदन में आज होने वाली कार्यवाही से भी अवगत करवाया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं से संवाद के दौरान पठानियां ने कहा किविधायक का चुनाव जनता अपने मत द्वारा सीधे तौर पर करती है तथा हमारे देश में लोकतान्त्रिक प्रणाली विद्यमान है। पठानियां ने कहा कि हमारा देश तथा प्रदेश नियमानुसार लोकतान्त्रिक प्रणाली से संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार चलता है। पठानियां ने कहा कि कानून बनाने का काम लोक सभा तथा विधान सभा के पास है जिसका संविधान में प्रावधान किया गया है। पठानियां ने कहा कि डॉ0 भीम राव अम्बेदकर ने दुनियां के सारे देशों के संविधान का गहन अध्ययन करने के उपरान्त भारतीय संविधान की रचना की जिसके अधीन आज 140 करोड़ भारतीय

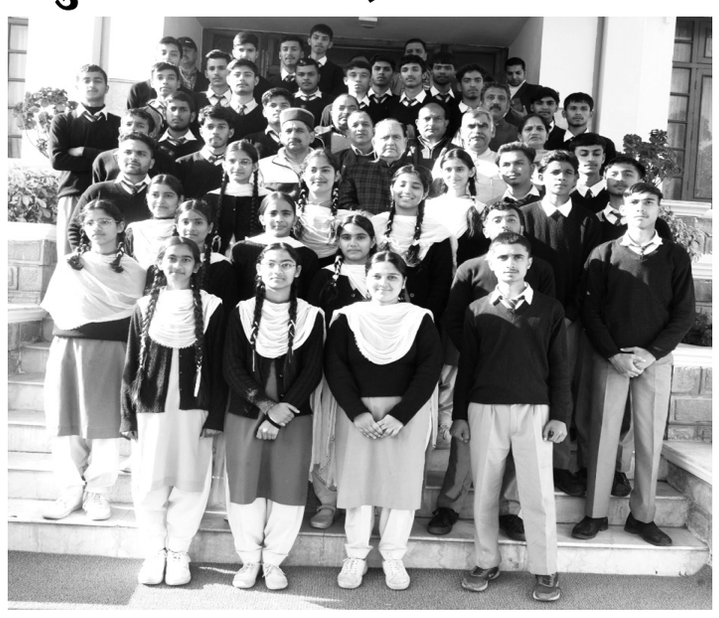

एकजुटता, आपसी सदभाव तथा प्रेम भाव से रह रहे हैं तथा इस राष्ट्र की खुशहाली, प्रगति तथासमृद्धि के लिए दिन रात प्रयत्नशील हैं।

पठानियां ने कहा कि आप सभी युवा अब लोकतन्त्र के प्रहरी हैं तथा इस देश की संसदीय प्रणाली को मजबूत करना अब आपका जिम्मा है। पठानियां ने कहा कि आप सभी राष्ट्र निर्माण में अपना -अपना योगदान अलग- अलग भूमिका में दे सकते है वह चाहे प्रशासनिक अधिकारी के रूप में हो या एक जनप्रतिनिधि के रूप में। आप सभी इस प्रदेश तथा देश के भविष्य हैं और आप सभी के जहन में रहना चाहिए की लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों की वजह से हमें आजादी मिली है जहाँ हमारे पास अपनी चुनी हुई सरकार है वहीं अपना संविधान भी है। उन्होंने कहा कि सरकार चुनने का अधिकार सीधे जनता के पास है तथा एक निश्चित अवधि के बाद यदि जनता चाहे तो सरकार को अपने मत से बदल भी सकती है। पठानिया ने सभी छात्रों को सदन की कार्यवाही देखने को आमंत्रित किया तथा अपनी ओर से शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर उप-मुख्य सचेतक हि0प्र0 सरकार केवल सिंह पठानियां तथा विधायक संजय रत्न भी विशेष रूप से मौजूद थे।

गृह रक्षा विभाग का 63वां स्थापना दिवस 06 दिसम्बर को : संतोष शर्मा

सोलन। हिमाचल प्रदेश गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा विभाग 06 दिसम्बर, 2025 को अपना 63वां स्थापना दिवस मना रहा है। यह जानकारी आदेशक गृह रक्षा, 11वीं वाहिनी सोलन संतोष कुमार शर्मा ने दी। संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा विभाग ने आपदा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, निर्वाचन ड्यूटी तथा आगजनी एवं सड़क दुर्घटना जैसी आपदा स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के माध्यम से मानवीय सुरक्षा एवं सम्पत्ति की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि विभाग अतिरिक्त महानिदेशक एवं महा आदेशक सतवंत अटवाल त्रिवेदी के मार्गदर्शन में निरंतर कर्तव्य निर्वहन में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि 11वीं वाहिनी सोलन में वर्ष 2025 में सोलन ज़िला के विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालयों और औद्योगिक इकाइयों में छात्रों तथा अन्य जन को जागरूक करने के उद्देश्य से 308 मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इन मॉक ड्रिल में अग्नि, भूकम्प, भूस्खलन और भवन गिरने जैसी आपात परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी तथा त्वरित प्रतिक्रिया का प्रदर्शन किया गया और युवाओं एवं अन्य को जागरूक करने के साथ-साथ विभिन्न बचाव तकनीकों से अवगत भी करवाया गया। आदेशक गृह रक्षा ने कहा कि विभिन्न जन जागरूक अभियानों के तहत नागरिकों को प्राथमिक उपचार, सुरक्षित व्यवहार, अग्नि सुरक्षा तकनीक तथा नागरिक सुरक्षा के महत्व पर व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि विभाग सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत भी निरंतर कार्य कर रहा है। इस दिशा में वर्ष 2025 में 51 जल स्त्रोतों की सफाई की गई और जीर्णोद्धार भी सुनिश्चित बनाया गया। उन्होंने कहा कि जन सहभागिता के साथ 86 स्वच्छता अभियान पूर्ण किए गए और 500 से अधिक पौध रोपण कार्यक्रम सम्पन्न किए गए।

संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि 11वीं वाहिनी सोलन ने युवा शक्ति को जोड़ने के उद्देश्य से ज़िला में 1150 नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों की भर्ती के माध्यम से संगठन की क्षमता को अधिक सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि विभाग स्थापना दिवस के अवसर पर सभी स्वयं सेवकों की निःस्वार्थ सेवा, अनुशासन, समर्पण तथा जनता के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करता है। इन सभी के सहयोग से ही जन सुरक्षा के उत्तरदायित्व का सफल निर्वहन किया जा रहा है। उन्होंने सभी स्वयं सेवकों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि सभी के सहयोग, विभागीय समर्पण तथा स्वयं सेवकों की कर्मठता के माध्यम से भविष्य में संगठन, आपदा प्रबंधन, सामुदायिक सुरक्षा तथा प्रशासनिक सहयोग के क्षेत्र में नवीन ऊंचाइयां प्राप्त करेगा और प्रदेश को अधिक सुरक्षित, सक्षम और सजग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

मुख्यमंत्री सुख आश्रय कोष के लिए अंशदान

शिमला। नगर नियोजन, आवास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने आज जिला कांगड़ा के धर्मशाला में हिमुडा की ओर से मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को सुख आश्रय कोष के लिए 11 लाख रुपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के योगदान की अनाथ बच्चों, निराश्रित महिलाओं और अन्य जरूरतमंद लोगों के हित में सुख आश्रय कोष के तहत की जा रही विभिन्न कल्याणकारी पहलों को संबल प्रदान करने में दूरगामी भूमिका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर लाभार्थी को सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, विधायक राम कुमार और मुख्य सचिव संजय गुप्ता, हिमुडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र वशिष्ठ भी उपस्थित थे।

दिव्यांगजन के उत्थान के लिए सभी को एकजुट होकर करना होगा कार्य : अजय कुमार यादव

सोलन। हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास निगम के प्रबंध निदेशक अजय कुमार यादव ने कहा कि समाज को दिव्यागजनों के लिए केवल सहानुभूति नहीं सम्मानता और सम्मान भी देना होगा।

अजय कुमार यादव आज कोठों स्थित इंटिग्रेटिड मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रिहैबिलिटेशन सेंटर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा अयोजित ज़िला स्तरीय विश्व दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर एम.डी. वॉरियर व अन्य छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिव्यागजनों को समाज में बराबर का हक व सम्मान दिलाने तथा उनसे भेदभाव को दूर करने के लिए हम सभी को मिलकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दिव्यांगता दिवस पर 'सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना' विषय रखा गया है। यह विषय एक समावेशी, सुलभ और सतत् विकास की दिशा में उनकी अहम भूमिका को रेखांकित करता है।

अजय कुमार यादव ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उनके उत्थान की दिशा में सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने इस दिशा में कार्यरत अध्यापकों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि इन सब के समग्र प्रयासों से ही आज दिव्यांग अनेक स्तर पर लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यागजनों से समाज में उनके जीवन से जुड़ी चुनौतियों और उनके अधिकारों को लेकर जागरुकता बढ़ानी होगी ताकि वह आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने इस अवसर पर एम.डी. वॉरियरों को सम्मानित भी किया। ज़िला विधिक सेवा के उप अधिवक्ता एस.एल. कश्यप द्वारा इस अवसर पर दिव्यांगजनों के अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। तहसील कल्याण अधिकारी सोलन देविंदर कुमार द्वारा इस अवसर पर दिवंगजनों के लिए प्रदेश सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। ज़िला कल्याण अधिकारी गावा सिंह नेगी द्वारा इस अवसर पर मुख्यातिथि का स्वागत किया गया तथा कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा द्वारा ज़ीरकपुर के बलटाना क्षेत्र में वार्ड नंबर 1 और 5 में 81.06 लाख रुपये की लागत से बने दो नए ट्यूबवेलों का उद्घाटन

ज़ीरकपुर (साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर): डेरा बस्सी हलके के विधायक श्री कुलजीत सिंह रंधावा ने आज नगर परिषद की सीमा में आने वाले ज़ीरकपुर के बलटाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 1 और 5 में 81.06 लाख रुपये की लागत से बने 2 नए पानी के ट्यूबवेलों का उद्घाटन कर उन्हें आधिकारिक रूप से क्षेत्रवासियों को समर्पित किया।

इस अवसर पर श्री रंधावा ने कहा कि जनहित से जुड़े ऐसे विकास कार्य मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में तेजी से पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वच्छ और पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि हर निवासी को बेहतर और सुविधाजनक सुविधाएँ मिल सकें।

उन्होंने बताया कि ये नए ट्यूबवेल ज़ीरकपुर के बलटाना क्षेत्र के उन हिस्सों में लगाए गए हैं, जहाँ पहले पानी की कमी महसूस की जा रही थी। इस परियोजना के पूरा होने से सैकड़ों घरों को स्वच्छ और निर्बाध पानी की सुविधा प्राप्त होगी।

श्री रंधावा ने कहा कि ज़ीरकपुर, डेरा बस्सी और आसपास के शहरी क्षेत्रों में विकास कार्य बिना किसी रुकावट के जारी हैं और सरकार द्वारा सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े अन्य प्रोजेक्ट भी जल्द पूरे किए जाएंगे।

इस अवसर पर स्थानीय वार्ड निवासी, गणमान्य लोग और विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे, जिन्होंने नए ट्यूबवेलों के शुरू होने को क्षेत्र के लिए बड़ी राहत बताया।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 277वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 1.5 किलोग्राम हेरोइन और 12,000 रुपए की ड्रग मनी सहित 103 नशा तस्कर काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चलाए जा रहे 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 277वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 335 स्थानों पर छापेमारी की, इन कार्रवाइयों के बाद पूरे राज्य में 79 एफआईआर दर्ज करते हुए 103 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 277 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या बढ़कर 39,078 हो गई है।

इन छापों के परिणामस्वरूप गिरफ्तार नशा तस्करों के कब्जे से 1.5 किलोग्राम हेरोइन, 1 किलोग्राम अफीम, 5 किलोग्राम भुक्की, 5040 नशीली गोलियाँ और 12,370 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एस.एस.पीज. को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ चल रही इस जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी बनाई है।

इस ऑपरेशन के दौरान 70 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 335 स्थानों पर छापेमारी की है। उन्होंने आगे बताया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 356 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की है।

ध्यान देने योग्य है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति—इन्फोर्समेंट, डी-ऐडिक्शन और प्रीवेंशन (ईडीपी)—लागू की है, और इसी रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 45 व्यक्तियों को नशा छोडऩे और पुनर्वास उपचार लेने के लिए तैयार किया है।

गुरदासपुर ग्रेनेड हमले के संबंध में एक और गिरफ्तार; एक पिस्तौल और अपराध के दौरान इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/गुरदासपुर- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने की मुहिम के दौरान, गुरदासपुर ग्रेनेड हमले से जुड़े एक और आरोपी को गिरफ्तार करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) बठिंडा ने गुरदासपुर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई के दौरान एक और सफलता हासिल की है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को यहां दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहन सिंह, निवासी रामूवाल, बठिंडा के रूप में हुई है।

यह कार्रवाई उस घटना के संबंध में हुई है, जिसमें पंजाब पुलिस ने चार आरोपियों, प्रदीप कुमार, गुरदित्त, नवीन चौधरी और कुश, को गिरफ्तार किया था। यह ग्रेनेड हमला 25 नवंबर 2025 को शाम करीब 7.30 बजे गुरदासपुर सिटी थाना पर हुआ था। पुलिस ने इनके कब्जे से एक पी-86 हैंड ग्रेनेड और दो पिस्तौल भी बरामद किए थे। इस नई गिरफ्तारी के बाद, इस मामले में गिरफ्तार व्यक्तियों की कुल संख्या अब पाँच हो गई है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मोहन सिंह पाकिस्तान की आई.एस.आई. समर्थित गैंगस्टर शहज़ाद भट्टी के संपर्क में था। डीजीपी ने बताया कि मोहन सिंह ने शहज़ाद के निर्देशों पर काम करते हुए पंजाब में दहशत फैलाने के इरादे से ग्रेनेड हमले को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई।

डीजीपी ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच जारी है और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए और सुराग तलाशे जा रहे हैं।

ए.आई.जी. (सीआई) बठिंडा अवनीत कौर सिद्धू ने बताया कि तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर सीआई बठिंडा ने गुरदासपुर पुलिस के साथ सूचना साझा की, जिसके आधार पर आरोपी मोहन सिंह को पकड़ा गया।

गुरदासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आदित्य ने बताया कि मोहन सिंह के खुलासे पर पुलिस ने एक .32 बोर पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा, पुलिस ने एक काली स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल इस मॉड्यूल द्वारा अपराध को अंजाम देने में किया गया था।

इस संबंध में, एफआईआर नंबर 289, दिनांक 26/11/2025, बीएनएस की धारा 109, 324(4), 111 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के तहत पुलिस स्टेशन सिटी गुरदासपुर में केस पहले ही दर्ज किया जा चुका है।

इंदिरा कॉलोनी के सरकारी हाई स्कूल में मनाया गया विश्व दिव्यांग दिवस

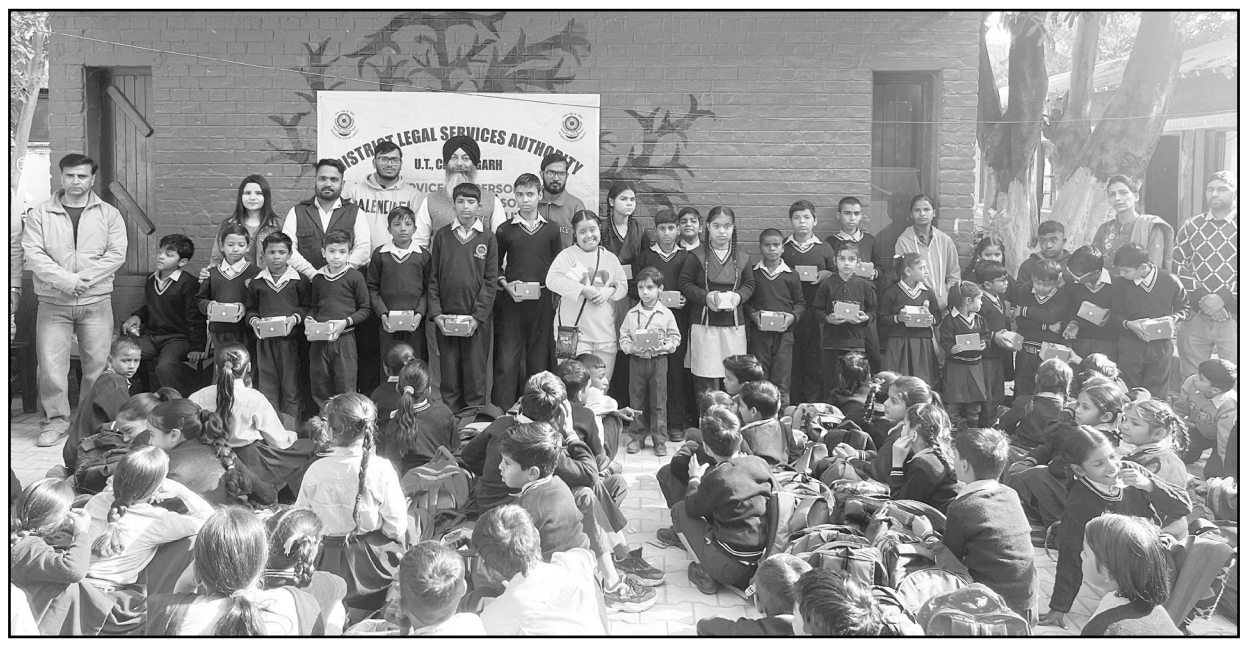

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (DLSA) के तत्वावधान में सरकारी हाई स्कूल, इंदिरा कॉलोनी में विशेष जागरूकता एवं उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम — "दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना एवं समावेशन और समानता सुनिश्चित करना" — पर आधारित यह कार्यक्रम दिव्यांग बच्चों को प्रेरित करने, प्रोत्साहित करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में 30 दिव्यांग बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों के लिए विविध गतिविधियाँ करवाई गईं तथा उपहार और रिफ्रेशमेंट वितरित कर कार्यक्रम को यादगार बनाया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में पीएलवी मनोज कुमार शुक्ला, पीएलवी संदीप कुमार, पीएलवी डिंपल और पीएलवी शुभम झा की मुख्य भूमिका रही। समाजसेवी अंतरजोत सिंह ने भी कार्यक्रम में विशेष शिरकत की।

दिव्यांग बच्चों के शिक्षक मोहम्मद इंतज़ार ने कार्यक्रम के संचालन में महत्वपूर्ण समर्थन दिया तथा छात्रों के साथ समन्वय में मुख्य भूमिका निभाई। कार्यक्रम में स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती सुनीता शर्मा सहित स्कूल का पूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा और इस पहल की सराहना की।

वक्ताओं ने कार्यक्रम के दौरान दिव्यांगजनों के सम्मान, समान अवसर, सामाजिक समावेशन, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के महत्व पर प्रकाश डाला। बच्चों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

रेलवे ट्रैक पर होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाओं से मृत्यु में 119 लोगो की उल्लेखनीय कमी — GRP हरियाणा की रणनीतिक पुलिसिंग ने दिखाया असर

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा में रेलवे ट्रैक पर होने वाली दुर्घटनाओं और मृत्यु को रोकने के लिए GRP हरियाणा द्वारा अपनाई गई सुनियोजित और डेटा-आधारित रणनीति ने इस वर्ष ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में गुड़गाँव, फरीदाबाद, पानीपत, करनाल, रेवाड़ी, बहादुरगढ़ और सोनीपत थानों में रेलवे लाइन पर होने वाली कुल मृत्यु की संख्या 1039 से घटकर 920 रह गई, जो 119 लोगो की मृत्यु की महत्वपूर्ण कमी को दर्शाती है। सीमित संसाधनों के बावजूद यह उपलब्धि GRP हरियाणा की सक्रियता, समर्पण और बेहतर फील्ड समन्वय का परिणाम है।

डेटा-आधारित विश्लेषण और संवेदनशील स्थानों की पहचान

GRP हरियाणा ने दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों की पहचान करने के लिए पूरे वर्ष विस्तृत डेटा विश्लेषण किया। थानों को दुर्घटना रिपोर्टों के नियमित अध्ययन के आधार पर संवेदनशील स्थानों को चिह्नित करने, स्थानीय स्तर पर विशेष निगरानी बढ़ाने और तुरंत हस्तक्षेप की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यह माइक्रो-लेवल विश्लेषण रेलवे सुरक्षा प्रयासों की रीढ़ साबित हुआ।

जन-जागरूकता और स्थानीय समुदाय की सहभागिता

रेलवे ट्रैक के आसपास रहने वाले नागरिकों, मजदूरों, दुकानदारों, राहगीरों और छात्रों को जागरूक करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाए गए। ट्रैक पार करने वालों को मौके पर रोककर न केवल जोखिमों के बारे में समझाया गया, बल्कि सुरक्षित विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित भी किया गया। लगातार संवाद और संवेदनशील क्षेत्रों में उपस्थिति ने दुर्घटना-रोधी प्रयासों को बेहद प्रभावी बनाया।

संयुक्त गश्त, त्वरित हस्तक्षेप और फील्ड निगरानी

GRP और सिविल पुलिस की संयुक्त गश्त बढ़ाई गई, जिससे ट्रैक किनारों पर सुरक्षा व्यवस्था अधिक मजबूत हुई। रात के समय और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की उपस्थिति बढ़ाकर दुर्घटना की संभावनाओं को कम किया गया। मौके पर त्वरित हस्तक्षेप के कारण कई संभावित दुर्घटनाएँ समय रहते टल गईं।

जिला-वार मृत्यु आँकड़ों का तुलनात्मक विश्लेषण

वर्ष 2024 और 2025 के बीच GRP हरियाणा के सातों थानों में रेलवे ट्रैक पर होने वाली मौतों में व्यापक सुधार देखने को मिला। गुड़गाँव में मृत्यु संख्या 149 से घटकर 121 पर पहुँची, जबकि फरीदाबाद में यह 305 से 284 रही। करनाल में वर्ष 2025 में कुल 48 घटनाएँ और पानीपत में 160 घटनाएँ दर्ज की गईं। रेवाड़ी में मृत्यु संख्या 170 से घटकर 152 रही, जबकि सोनीपत में 138 के मुकाबले 97 मौतें दर्ज हुईं।

'द पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ़ ट्रीज़ एक्ट, 2025' को वित्त विभाग की मंज़ूरी: हरपाल सिंह चीमा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के वित्त मंत्री, एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि पंजाब के वित्त विभाग ने 'द पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ़ ट्रीज़ एक्ट, 2025' (पंजाब वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 2025) बनाने से संबंधित वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है।

यह घोषणा करते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने एक प्रेस बयान में कहा कि यह अधिनियम शहरी हरियाली और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पेड़ों की सुरक्षा के प्रति राज्य की विधायी प्रतिबद्धता को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस मसौदे में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई के लिए कड़े प्रावधान और भारी जुर्माने शामिल हैं, जिससे पर्यावरणीय क्षरण का मुकाबला करने के लिए राज्य के प्रयास और मजबूत होंगे।

वित्त मंत्री चीमा ने बताया कि वित्त विभाग ने 'द पंजाब प्रोटेक्शन ऑफ़ ट्रीज़ एक्ट, 2025' के प्रस्ताव की विस्तृत समीक्षा की है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम न केवल शहरी हरियाली की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप देता है, बल्कि वन विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि इसे लागू करने से राज्य के खजाने पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

बिल के वित्तीय पहलुओं को उजागर करते हुए, वित्त मंत्री ने बताया कि यह अधिनियम जुर्मानों के माध्यम से एक विशेष फंड स्थापित करने के लिए तैयार किया गया है। यह फंड रणनीतिक रूप से केवल शहरी क्षेत्रों में हरियाली परियोजनाओं के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पूरे पंजाब में पर्यावरण संरक्षण और विकास के लिए एक आत्मनिर्भर प्रणाली स्थापित होगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की पेड़ संरक्षण के लिए प्रभावी कानून बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि वित्त विभाग द्वारा इस अधिनियम को तुरंत मंज़ूरी देना राज्य सरकार की पर्यावरणीय और विधिक जिम्मेदारियों को पूरा करने की समर्पण भावना को दर्शाता है।

एमसीएम ने पंजाब स्टेट इंटर-यूनिवर्सिटी यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल 2025 में शानदार प्रदर्शन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय ने एक बार फिर अपनी सांस्कृतिक और कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित पंजाब स्टेट इंटर-यूनिवर्सिटी यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल 2025 में शीर्ष स्थान प्राप्त किए। उत्कृष्ट रचनात्मकता और कौशल के दम पर कॉलेज ने बाघ कढ़ाई में प्रथम पुरस्कार, पोस्टर मेकिंग में द्वितीय पुरस्कार और माइम में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान) तृतीय वर्ष की छात्रा गगनजोत कौर ने हेरिटेज आर्ट एंड क्राफ्ट आइटम्स श्रेणी के अंतर्गत बाघ कढ़ाई में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया । इससे पहले पंजाब यूनिवर्सिटी यूथ एंड हेरिटेज फेस्टिवल के ज़ोनल और इंटर-ज़ोनल दोनों स्तरों पर लगातार जीत के बाद उन्हें स्टेट-लेवल तक पहुँचने का मौका मिला।बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा ऋतिका बोस ने पोस्टर मेकिंग में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इससे पहले वह ज़ोनल और इंटर-ज़ोनल दोनों स्तरों पर प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी हैं।

कॉलेज की माइम टीम — साइना, दिया, एंजेल, सिमरन, दिव्या और अंजिता — ने तृतीय पुरस्कार जीतकर इस सफलता की श्रृंखला में और जोड़ दिया। टीम ने इससे पहले ज़ोनल और इंटर-ज़ोनल यूथ फेस्टिवल दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की, जिसे उन्होंने इंटर-यूनिवर्सिटी स्तर पर भी कायम रखा। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने सभी विजेताओं तथा उनके मार्गदर्शकों को बधाई देते हुए उनके समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्रों की उपलब्धियों पर अत्यंत गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी सफलताएँ युवा प्रतिभाओं में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैं।

पंजाब सरकार लाडोवाल में उन्नत बागबानी तकनीक विकास केंद्र स्थापित करेगी - मोहिंदर भगत

बागबानी मंत्री ने राज्य स्तरीय सेमिनार-कम-प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/लुधियाना(ब्यूरो)। बागवानी क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने घोषणा की कि पंजाब सरकार लाडोवाल, लुधियाना में एक अत्याधुनिक बागवानी तकनीक विकास केंद्र स्थापित कर रही है।

लाडोवाल में बागवानी विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सेमिनार-कम-प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आगामी बागवानी तकनीक विकास केंद्र पंजाब भर के किसानों के लिए एक वन-स्टॉप नॉलेज सेंटर के रूप में कार्य करेगा, जहाँ फल, सब्जियों और फूलों की सभी किस्मों के लिए नवीनतम हाई-टेक खेती तरीकों का लाइव दिखाया जाएगा और प्रदर्शनी स्थलों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र किसानों को बड़े पैमाने पर बागवानी अपनाने के लिए प्रेरित भी करेगा।

कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत ने सैकड़ों प्रगतिशील किसानों को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार किसानों को गेहूँ-धान की फसली चक्र से उच्च-मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर तबदील करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि केवल बागवानी ही किसानों की आय को कम से कम समय में दोगुना करने और खुशहाली लाने की क्षमता रखती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस केंद्र को उस परिवर्तन का मार्गदर्शक बनेगा।

कैबिनेट मंत्री ने किसानों से बिना किसी झिझक के बागवानी की ओर रुख करने की अपील की और उन्हें हर कदम पर विभाग द्वारा पूरी सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने इस अवसर पर किसानों द्वारा उठाई गई व्यक्तिगत समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और अधिकारियों को इनके तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने लाडोवाल केंद्र में सभी स्टॉलों और आगामी बुनियादी ढाँचे की इकाइयों का निरीक्षण भी किया।

बागवानी निदेशक श्रीमती शैलिंदर कौर ने दोहराया कि विभाग किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और बागवानी मिशन, आर.के.वी.वाई. तथा अन्य सभी योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने सही एवं सटीक ढंगों तथा डिजिटल प्रौद्योगिकियों को अपनाकर लागत खर्च कम करने पर विशेष जोर दिया। प्रदर्शनी के दौरान टॉपकॉन कंपनी ने लाइव फील्ड प्रदर्शन के माध्यम से जीपीएस-आधारित ऑटो-स्टीयरिंग तकनीक का प्रदर्शन किया, जिसमें समय, ईंधन, बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की बड़ी बचत के साथ-साथ एकसमान बुवाई, छिड़काव और कटाई को उजागर किया गया। हाइग्रोएक्सिस ह्यूमिडिया लैब प्राइवेट लिमिटेड ने तुरंत मिट्टी की डिजिटल जाँच विधि और मौके पर ही सॉइल हेल्थ कार्ड बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी को पूरे राज्य के प्रगतिशील किसानों से भारी प्रतिक्रिया मिली। इस मौके पर संयुक्त निदेशक बागवानी डॉ. हरमेल सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त डॉ. गुरशरण सिंह, उप निदेशक बागवानी डॉ. हरप्रीत सिंह सेठी, उप निदेशक बागवानी डॉ. दलबीर सिंह, सहायक निदेशक डॉ. विजय प्रताप, डॉ. निखिल अंबीश मेहता, डॉ. गुरप्रीत कौर, डॉ. नवजोत कौर, डॉ. शैली संधू और बागवानी विकास अधिकारी जसप्रीत कौर गिल उपस्थित थे।

उपायुक्त ने की जिलावासियों से अपील, समाधान शिविर में आकर करवाएं अपनी समस्याओं का समाधान

जिला के लोगों की समस्याओं का सभी अधिकारी जल्द से जल्द कर रहें हैं समाधान

हिन्द जनपथ

पंचकूला(ब्यूरो)। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों में जिला के लोगों की समस्याओं का सभी अधिकारी टीम के रूप में कार्य कर जल्द से जल्द समाधान कर रहे हैं। इसलिए जिलावासियों की कम समस्याएं समाधान शिविर में आ रही हैं।

उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिले में सोमवार व वीरवार को कार्यदिवस के दिन प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होने बताया कि समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं की मुख्यमंत्री स्वयं मानिटरिंग करते हैं और समाधान शिविर से जुडते भी हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को गंभीरता से लोगों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने जिला के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई जिलावासियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर व तय समय सीमा में समाधान करें।

उपायुक्त ने की जिलावासियों से अपील समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याएं रखकर उनका जल्द से जल्द समाधान करवाएं नागरिक।

युवाओं को नई दिशा दे रहा हरियाणा सरकार का दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम

हिन्द जनपथ

पंचकूला(ब्यूरो)। युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और प्रकृति संरक्षण के महत्व से जोड़ने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा दो दिवसीय विशेष भ्रमण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत के विद्यार्थियों ने आज नेचर कैम्प थापली का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विविध पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने बताया कि इस पहल के माध्यम से युवाओं को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, नेतृत्व क्षमता और व्यवहारिक ज्ञान से सशक्त बनाया जा रहा है। विद्यार्थियों ने कैंप परिसर की जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण और सुरक्षा मानकों को समझते हुए प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता व्यक्त की साथ ही विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। थापली नेचर कैम्प के रेंज ऑफिसर संजय ने विद्यार्थियों को ट्रैकिंग मार्ग, वन क्षेत्र की उपयोगिता और संरक्षण गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विद्यार्थियों ने इसे अपने व्यक्तित्व विकास के लिए एक बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताया। इस अवसर पर विश्विद्यालय से पारुल वसिष्ट, डा सुखविंदर सिंह ,आर्यन खारे प्राध्यापक के रूप मे एवं परमीत ,सुनिधि, पायल सैन , दक्ष ,हरीश, इंद्रजीत समेत सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे और प्रकृति संरक्षण से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

संपादकीय

हाथ पर हाथ धरकर बैठने से कम नहीं होगा प्रदूषण, करना होगा जमीनी काम

दिल्ली ने बीते पूरे माह घुट-घुटकर सांस ली है। नवंबर के 24 दिनों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा यानी बहुत खराब और 3 दिन तो यह 400 के ऊपर चला गया मतलब गंभीर। महज तीन दिनों के लिए, त्त्ढ्ढ 300 के नीचे आया, और वह भी हवाओं की बदौलत। ये आंकड़े देश की राजधानी में वायु प्रदूषण का हाल बयान कर देते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का इस मामले को संज्ञान में लेना महत्वपूर्ण हो जाता है।स्पष्ट योजना- शीर्ष अदालत ने सीएक्यूएम और एनसीआर की स्टेट अथॉरिटीज को प्रदूषण से निपटने के लिए स्पष्ट, समयबद्ध और ऐसी योजना तैयार करने के लिए कहा है, जिस पर अमल किया जा सके। अदालत ने बिल्कुल ठीक कहा कि हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता और समाधान विशेषज्ञों की तरफ से आना चाहिए। दिल्ली-एनसीआर में हर साल दिवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है और सर्दियों में हालात बद से ++ बदतर हो जाते हैं। लेकिन, इस बार तो राहत का कोई दिन मिला ही नहीं । सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पराली पर भी नहीं डाला जा सकता। और सबसे बड़ी बात है कि दोष इस सीजन दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं का हिस्सा 5त्न से भी कम रहा है। सरकार ने संसद में सोमवार को ही जानकारी दी कि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 2022 की तुलना में 90त्न की कमी आई है। खासकर दिल्ली-एनसीआर के केस में पराली जलाने को हमेशा से एक बड़ी समस्या के रूप में पेश किया गया है। लेकिन,एसएएफएआई और आईआईटी दिल्ली ने 2018 में जो इन्वेंट्री रिपोर्ट तैयार की थी, उसके मुताबिक राजधानी में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह वाहन हैं। एसएएफएआर के मुताबिक, पीएम 2.5 के लिए 41 प्रतिशत ट्रांसपोर्ट और 21 प्रतिशत धूल जिम्मेदार है, जो ज्यादातर कंस्ट्रक्शन साइट से उड़ती है ।

केंद्र सरकार की सुनियोजित रणनीति का सकारात्मक परिणाम है जीडीपी का मौजूदा उछाल!

(कमलेश पांडे)

जानकार बताते हैं कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र में हालिया वृद्धि (जैसे जुलाई 2025 में 5.4प्रतिशत और क्यू2 एफबाय26 में मजबूत उत्पादन) के प्रमुख कारण मजबूत घरेलू मांग, नए ऑर्डरों का उछाल तथा जीएसटी दर कटौती रहे। क्षमता उपयोग 75 प्रतिशत तक पहुंचा, जिससे 87 प्रतिशत इकाइयों ने उच्च उत्पादन दर्ज किया। केंद्र सरकार में पिछले लगभग 12 वर्षों से सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार की सुनियोजित आर्थिक रणनीति का सकारात्मक परिणाम जब जीडीपी के मौजूदा उछाल के रूप में सामने आया तो देश-दुनिया के आर्थिक पंडित भी चौंक गए, क्योंकि यह उनकी आकलित उम्मीदों से भी ज्यादा है। यह बात अलग है कि मोदी सरकार का लक्ष्य 4.0 सरकार बनने से पहले ही भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार को 5 ट्रिलियन प्रदान करना है। जिस दिशा में वह मजबूती से सधे पांव रखकर अग्रसर है। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ कि भारत की वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2025) में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही, जो अर्थशास्त्रियों के 7.3-7.5प्रतिशत के अनुमान से कहीं अधिक अप्रत्याशित रूप से ऊंची साबित हुई। दरअसल, यह वृद्धि पिछले वर्ष की समान तिमाही के 5.6प्रतिशत से भी काफी बेहतर है, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं- विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और निर्माण क्षेत्र में 8.1प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र में 9.2प्रतिशत की मजबूत वृद्धि ने इस अप्रत्याशित तेजी को संभव बनाया। इसके अलावा, जीएसटी दरों में कटौती, त्योहारों से पहले स्टॉकिंग बढ़ना और ग्रामीण मांग में सुधार मुख्य प्रेरक बने। वहीं, अन्य सहायक कारक में निजी अंतिम उपभोग व्यय में 7.9प्रतिशत की वृद्धि से उपभोक्ता खर्च में उछाल आया, जो आय और रोजगार वृद्धि को दर्शाता है।

यही नहीं, महंगाई दर ऐतिहासिक निचले स्तर पर आने से क्रय शक्ति मजबूत हुई, जिसमें खाद्य मूल्यों में कमी और अनुकूल बेस इफेक्ट शामिल हैं। जबकि मौद्रिक ढील, नियामक सुधारों के विलंबित प्रभाव तथा निर्यात पर सीमित असर ने भी योगदान दिया। यह प्रदर्शन अमेरिकी टैरिफ जैसे वैश्विक दबावों के बावजूद घरेलू मांग की मजबूती दिखाता है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि भारत की जीडीपी वृद्धि के प्रमुख चालक मजबूत घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र की तेजी, सरकारी बुनियादी ढांचा निवेश और कृषि सुधार हैं। हाल की तिमाही में सेवा क्षेत्र ने 9.3त्न की वृद्धि दर्ज कर कुल जीडीपी को 7.8-8.2प्रतिशत तक खींचा। वहीं, सेवा क्षेत्र जीडीपी का 55प्रतिशत से अधिक योगदान देता है, जिसमें वित्तीय सेवाएं, ई-कॉमर्स और आईटी प्रमुख हैं। इसकी मजबूत वृद्धि ने खपत और रोजगार को बढ़ावा दिया। वहीं, बुनियादी ढांचा निवेश में सरकार की गतिशक्ति, भारतमाला और राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन जैसी योजनाओं ने पूंजीगत व्यय बढ़ाया। इनसे रोजगार सृजन और निजी निवेश को गति मिली।

वहीं, कृषि और ग्रामीण मांग बढ़ी है। कृषि क्षेत्र में 3.7प्रतिशत वृद्धि और सामान्य मानसून ने ग्रामीण खपत को समर्थन दिया। यह 15-18प्रतिशत जीडीपी योगदान के साथ 50त्न आबादी को रोजगार प्रदान करता है। अन्य सुधार जैसे- पीएलआई योजना ने विनिर्माण को बढ़ावा दिया, जबकि जीएसटी और कॉर्पोरेट कर सुधारों ने व्यापार वातावरण सुधारा। जबकि आत्मनिर्भर भारत ने नवाचार और निर्यात को प्रोत्साहित किया।

जानकार बताते हैं कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र में हालिया वृद्धि (जैसे जुलाई 2025 में 5.4प्रतिशत और क्यू2 एफबाय 26 में

मजबूत उत्पादन) के प्रमुख कारण मजबूत घरेलू मांग, नए ऑर्डरों का उछाल तथा जीएसटी दर कटौती रहे। क्षमता उपयोग 75प्रतिशत तक पहुंचा, जिससे 87प्रतिशत इकाइयों ने उच्च उत्पादन दर्ज किया। वहीं घरेलू मांग में बढ़ोतरी हुई। घरेलू बाजारों से ऑर्डर बुक में वृद्धि हुई, विशेषकर ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन टूल्स और धातु क्षेत्रों में। 83प्रतिशत निर्माताओं को आने वाले महीनों में अधिक ऑर्डर की उम्मीद है। नीतिगत समर्थन जैसे- पीएलआई योजना, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने निवेश आकर्षित किया, जबकि 50प्रतिशत से अधिक इकाइयां क्षमता विस्तार की योजना बना रही हैं। वहीं बुनियादी ढांचा सुधारों ने लागत कम की। उत्पादन विस्तार यानी नए ऑर्डरों से इनपुट खरीद और कार्यबल वृद्धि हुई, जो पांच वर्षों की सबसे तेज वृद्धि दर्शाती है। वहीं निर्यात स्थिरता ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाई।

अर्थशास्त्री बताते हैं कि भारत के सेवा क्षेत्र में हालिया वृद्धि (जैसे जून 2025 में पीएमआई 60.4 तक पहुंचना) के प्रमुख कारण घरेलू एवं निर्यात मांग में तेजी, नए ऑर्डरों का उछाल तथा डिजिटल सेवाओं का विस्तार रहे। कोविड के बाद वित्तीय, आईटी और प्रोफेशनल सेवाओं ने समग्र जीवीए वृद्धि को पीछे छोड़ा। मांग वृद्धि हुई। घरेलू बाजारों के साथ एशिया, मध्य पूर्व एवं अमेरिका से निर्यात मांग में उल्लेखनीय तेजी आई, जो नए कारोबार को बढ़ावा दे रही।वहीं, आय स्तर बढ़ने से पर्यटन, ई-कॉमर्स, स्वास्थ्य एवं मनोरंजन सेवाओं की मांग बढ़ी। डिजिटल परिवर्तन यथा- ऑनलाइन भुगतान, ई-कॉमर्स एवं उच्च तकनीक सेवाओं की ओर तेज संक्रमण ने उत्पादकता बढ़ाई। वहीं, नीतिगत सुधारों एवं बेहतर आधारभूत संरचना ने 55प्रतिशत जीडीपी योगदान को मजबूत किया। रोजगार एवं लागत लाभ बढ़े।लगातार 37 महीनों से रोजगार सृजन जारी रहा, जबकि इनपुट लागत 10 महीनों के निचले स्तर पर पहुंची। इससे कंपोजिट पीएमआई 61.0 तक मजबूत हुआ।

जानकारों का यह भी कहना है कि आधारभूत संरचनाओं के क्षेत्र में वृद्धि के प्रमुख कारण भारत में बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश, विशेष रूप से राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन (एनआईपी) कार्यक्रम द्वारा, हैं जो ऊर्जा, सड़क, रेलवे, शहरी विकास और अन्य क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में पूंजीगत व्यय के रूप में रिकॉर्ड 2.65 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए, जिससे सड़क निर्माण की गति 2.8 गुना बढ़ गई और रेलवे नेटवर्क का विस्तार हुआ। इसके अलावा, निजी क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय मुद्रीकरण योजना और अवसंरचना परियोजना विकास निधि जैसी पहलें लागू की गई हैं। आवासीय परियोजनाओं के लिए भी वित्तीय सहायता और सुविधा योजनाएं चलाई गई हैं, जिससे आवासीय निर्माण में तेजी आई है। डिजिटल कनेक्टिविटी, ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स में सुधार भी आधारभूत ढांचे के विकास में सहायक रहे हैं। जहां तक भारत की वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (क्यू2 एफबाय26) में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र का सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 3.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 4.1 प्रतिशत से कम है। यह वृद्धि खरीफ फसल के बेहतर उत्पादन और खाद्य मुद्रास्फीति के स्थिर रहने से समर्थित रही, हालांकि यह अन्य क्षेत्रों (जैसे विनिर्माण 9.1 प्रतिशत और सेवा 9.2प्रतिसत) की तुलना में सीमित रही। इसका जीडीपी में योगदान महत्वपूर्ण है, क्योंकि कृषि क्षेत्र का कुल जीवीए में हिस्सा लगभग 15-18 प्रतिशत रहता है, लेकिन क्यू 2 एफबाय 26 में इसकी मंद वृद्धि ने समग्र 8.2 प्रतिसत जीडीपी वृद्धि पर न्यूनतम प्रभाव डाला। प्राइमरी सेक्टर (कृषि सहित) का रियल जीवीए विकास 3.1त्न रहा, जो द्वितीयक (8.1 प्रतिशत) और तृतीयक (9.2 प्रतिशत) क्षेत्रों से पीछे रहा। इसका किसानों की आय पर प्रभाव पड़ेगा। किसानों की आय पर सीधे आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन नॉमिनल जीवीए में महज 1.8 प्रतिशत की वृद्धि (पिछले वर्ष 7.6 प्रतिशत से कम) से वास्तविक आय में कमी का संकेत मिलता है, क्योंकि मुद्रास्फीति नकारात्मक रही। ग्रामीण मांग में सुधार (पीएफसीई में 7.9 प्रतिशत वृद्धि) से अप्रत्यक्ष लाभ हुआ, लेकिन खरीफ का पूर्ण प्रभाव क्यू3 में दिखेगा। संरचनात्मक मुद्दे जैसे रोजगार सृजन की कमी और व्यापार घाटा लंबी अवधि की वृद्धि को प्रभावित कर सकते हैं। क्षेत्रीय योगदान के तौर पर निर्माण क्षेत्र में 10.8प्रतिशत वृद्धि, सार्वजनिक प्रशासन में 8.9प्रतिशत, वित्तीय सेवाओं में 7.2प्रतिशत की तेजी दर्ज हुई। प्राथमिक क्षेत्र में 4.4प्रतिशत की सुधार देखा गया। पूर्वानुमान2026 में 6.5-6.7प्रतिशत और 2027 में 6.5प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जो भारत को प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज बनाए रखेगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सच होने के करीब नक्सल मुक्त भारत का सपना

(नवनीत सहगल)

पिछले पांच दशकों में भारत ने कई आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला किया है। अलगाववाद, आतंकवाद और संगठित चरमपंथ ने समय-समय पर देश की स्थिरता और लोकतंत्र को चुनौती दी। इन सभी में सबसे लंबा, रक्तरंजित और जटिल संघर्ष वामपंथी उग्रवाद, यानी नक्सलवाद का रहा, जिसने एक समय देश के 126 जिलों को हिंसा, भय और अस्थिरता की चपेट में ले लिया था। यह आंदोलन सुरक्षा के मोर्चे पर ही नहीं, देश में विकास की गति, प्रशासनिक ढांचे और ग्रामीण जीवन पर लगातार चोट करता रहा।

आज दशकों बाद जब नक्सलवाद अतीत की कहानी बनने जा रहा है, तब यह सफलता कल्पना से परे लगती है, लेकिन यह सच है। ऐसे में, इस निर्णायक परिवर्तन के कारणों और रणनीति का अध्ययन बहुत आवश्यक है। इस कामयाबी के पीछे जो सबसे स्पष्ट कारण दिखाई देता है, वह है लक्ष्य-केंद्रित इच्छाशक्ति से भरा हुआ सशक्त नेतृत्व। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति ने दशकों पुराने एक अभिशाप से मुक्ति के करीब देश को पहुंचाया है। हिडमा जैसे कुख्यात नक्सली कमांडर का अंत और नक्सली नेतृत्व का लगभग सफाया हो जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि यह खूनी अध्याय अपने निर्णायक अंत की ओर बढ़ चुका है। आंकड़े गवाही देते हैं कि बीते दशक में नक्सली हिंसा 53 प्रतिशत घटी, सुरक्षाकर्मियों की शहादत 73 फीसदी कम हुई और नागरिकों की मौतें 70 प्रतिशत तक घट गईं। यही नहीं, नक्सली प्रभाव वाले जिले 126 से घटकर

2025 में केवल 18 रह गए हैं, बल्कि गंभीर श्रेणी वाले नक्सल प्रभावित जिले तो तीन तक सिमट आए हैं।

हिडमा का खात्मा इतना अहम क्यों है? दरअसल, नक्सली क्रूरता व सामरिक क्षमता का सबसे भयावह चेहरा था वह। दंडकारण्य में उसकी मौजूदगी नक्सली तंत्र की सबसे बड़ी ताकत और सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती थी। पीएलजीए की बटालियन नंबर 1 का मुखिया होने के साथ वह छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र व तेलंगाना में कई हमलों का मुख्य साजिशकर्ता था। उसकी दहशत से नक्सली कैडरों के मनोबल को मनोवैज्ञानिक धार मिलती थी। सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि हिडमा के बिना न केवल पीएलजीए की कार्यकुशलता घटेगी, बल्कि युवा कैडरों की वैचारिक व सामरिक प्रेरणा भी कमजोर होगी।

पहले नक्सलवाद से निपटने के प्रयास रोकथाम, बातचीत या सीमित सैन्य कार्रवाई के बीच उलझे रहे। समस्या की जड़- विकास की कमी और शासन के अभाव- कभी रणनीति के केंद्र में ही नहीं रही। साल 2014 के बाद पहली बार माना गया कि नक्सलवाद केवल सुरक्षा नहीं, विकास और विश्वास का मुद्दा भी है। इसी सोच के तहत एकीकृत रणनीति बनाई गई, जिसमें सुरक्षा कार्रवाई और विकास कार्य समानांतर चलते रहे। सुरक्षा बलों ने जंगलों से नक्सली ठिकाने साफ किए और सरकार ने उन इलाकों में सड़क, बिजली, बैंकिंग, अस्पताल, इंटरनेट, स्कूल और आजीविका की योजनाएं पहुंचाईं। जब गांवों के लोग सरकार की मौजूदगी महसूस करने लगे, तो नक्सलवाद का जनाधार स्वतः टूटने लगा।

साल 2014 से 2025 के बीच नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 17,589 किलोमीटर सड़कों के निर्माण के लिए 20,815 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। अस्पताल, मोबाइल टावर, जन-धन खाते, उज्ज्वला, भूमि अधिकार और कौशल कार्यक्रमों ने जनता को पहली बार विकास का प्रत्यक्ष अनुभव कराया। कौशल विकास योजना के तहत 48 आईटीआई व 61 कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए 495 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, जिनमें से 46 आईटीआई और 49 केंद्र संचालित हो रहे हैं। सरकारी योजनाओं के लाभ जब सीधे खातों में पहुंचने लगे, तो नक्सलवाद के खिलाफ सामाजिक प्रतिरोध खड़ा हुआ।

दंडकारण्य, अबूझमाड़, लातेहार, सुकमा, मलकानगिरी और गढ़चिरौली जैसे इलाके कभी सुरक्षा बलों के लिए 'नो-गो जोन' माने जाते थे, आज वही इलाके ड्रोन निगरानी, आधुनिक हथियारों और सुरक्षा पोस्टों की स्थायी मौजूदगी के साथ सामान्य संचालन क्षेत्र बन चुके हैं। सरकार का लक्ष्य मार्च 2026 तक देश को पूर्णतः नक्सल-मुक्त बनाना है और अब यह लक्ष्य दूर की कल्पना नहीं, बल्कि मूर्त होती वास्तविकता है। (लेखक चेयरमैन, प्रसार भारती है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5932

1	2	3		4		■	5
6			■		■	7	
8		■	9				■
	■	10			■	■	11
■	12			■	13		
14		■	15	16	■	■	
17			■	18	19		
20		■	21	■		■	■

संकेतः बाएं से दाएं

1. परमवीर चक्र से सम्मानित प्रथम भारतीय सैनिक जो मेजर के पद पर कार्यरत थे (6)
6. भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म, रनिवास, अंतपुर (3)
7. शाखा, टहनी (2)
8. शरीर का एक संवेदी अंग, नासिका, घ्राणेन्द्रिय (2)
9. अंगूठे से तीसरी उंगली, उपकनिष्ठिका (4)
10. वह धन जो श्रमादि करके उपार्जित किया गया हो (3)
12. मनुज, मुनष्य, इंसान (3)
13. अनुलाप, तानयुक्त स्वरों में आरंभिक धुन प्रदर्शन (3)
14. क्रिकेट में बल्लेबाजों का मापदंड (2)
15. थाईलेंड देश का पुराना नाम (2)
17. घूमना, क्रीड़ा उपवन, विलास (3)
18. प्रदर्शननी, मेला बाजार, दिखावा (4)
20. सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह जिसके 21 उपग्रह है (2)
21. उत्तम पुरूष एक वचन सर्वनाम सूचक शब्द (1)

ऊपर से नीचे

1. द्वादश ज्योतिर्लिंगों मे से एक जो काठियावाड़ के पश्चिम तट प्रभास क्षेत्र में स्थित है (4)
2. खुशबू, सुगंध, गमक (3)
3. लोहे का अर्धचंद्राकार टुकड़ा (2)
4. बिस्मिल्लाह खां नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा है (4)
5. कार्य या शक्ति की इकाई (2)
7. लुटेरों द्वारा किया गया धावा या छापा (2)
9. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि (4)
10. अपकीर्ति, कुख्याति (4)
12. अवमानना, आबवरेजी (4)
14. तौर-तरीका, रंगढंग (3)
16. ब्रहा के मानक पुत्र और मनुष्यों के मूल पुरूष (3)
19. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु वस्तु (3)

वर्ग पहेली 5931 का हल

भा	ज	पा	■	■	ए	थें	स
ग	ल	त	■	■	क	■	फ
फ	■	क	ब	■	ता	मी	र
ल	य	■	क	न	क	■	ना
■	क	मा	ना	■	पू	र्णि	मा
भ	र	ता	■	दौ	र	■	■
■	की	म	ती	■	■	पा	ना
सु	ब	ह	■	ब	ह	री	न

गूगल की क्वांटम क्रांति, 13,000 गुना तेज एल्गोरिदम से खुलेंगे विज्ञान के नए रहस्य

(डॉ. अनिमेष शर्मा)

सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि 'क्वांटम इकोज' एल्गोरिदम न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (एनएमआर)) की तकनीक का उपयोग करता है, जिससे यह अणुओं के भीतर परमाणुओं की परस्पर क्रिया (ऑटोमिक इंटरएक्शन) का विश्लेषण कर सकता है। टेक्नोलॉजी की दुनिया में एक और क्रांतिकारी कदम उठाते हुए गूगल ने क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में बड़ा ब्रेकथ्रू हासिल किया है। कंपनी ने अपने 'विलो (विलो2)' क्वांटम कंप्यूटिंग चिप पर नया एल्गोरिदम क्वांटम इकोज विकसित किया है, जो पारंपरिक सुपरकंप्यूटरों से 13,000 गुना तेज गति से काम करता है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने इसे 'वेरिफायबल क्वांटम एडवांटेज बताया है – यानी ऐसा क्वांटम लाभ जिसे स्वतंत्र रूप से प्रमाणित किया जा सकता है। यह खोज आने वाले वर्षों में दवाओं की खोज और नई सामग्री विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी, जिससे वैज्ञानिक प्रयोगों की गति और सटीकता दोनों में तेजी आएगी। सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि 'क्वांटम इकोज' एल्गोरिदम न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस (एनएमआर) की तकनीक का उपयोग करता है, जिससे यह अणुओं के भीतर परमाणुओं की परस्पर क्रिया का विश्लेषण कर सकता है। गूगल की विलो2 चिप पर चलते हुए यह एल्गोरिदम दुनिया के सबसे तेज सुपरकंप्यूटरों पर चलने वाले श्रेष्ठ एल्गोरिदम की तुलना में 13,000 गुना तेजी से परिणाम देता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, गूगल की यह क्वांटम तकनीक अगले पांच वर्षों में व्यावहारिक रूप से उपयोग में लाई जा सकेगी, जिससे विज्ञान और उद्योग के कई क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। गूगल का 'विलो' क्वांटम चिप क्यूबिट्स के माध्यम से काम करता है , जो क्वांटम कंप्यूटिंग की मूल इकाई हैं। पारंपरिक बिट्स जहां केवल 0 और 1 की स्थिति में रह सकते हैं, वहीं क्यूबिट्स दोनों स्थितियों में एक साथ रह सकते हैं, जिससे किसी भी जटिल गणना को बेहद तेजी और सटीकता से हल किया जा सकता है। गूगल के वैज्ञानिकों का मानना है कि क्वांटम इकोज जैसे एल्गोरिदम भविष्य में नए अणुओं, दवाओं, सोलर एनर्जी सिस्टम्स और उन्नत धातुओं के विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। गूगल ने अपने ब्लॉग पोस्ट में बताया कि क्वांटम इकोज एल्गोरिदम को चलाकर कंपनी ने पहली बार सत्यापन योग्य क्वांटम लाभ प्रदर्शित किया है। यह एल्गोरिदम अणुओं, चुंबकों और ब्लैक होल जैसी प्राकृतिक प्रणालियों की संरचना और गतिशीलता को समझने में सक्षम है। इसका अर्थ यह है कि अब वैज्ञानिक उन सूक्ष्म प्रणालियों को मॉडल कर सकेंगे जिन्हें आज तक केवल सिद्धांतों के माध्यम से समझने की कोशिश की जाती रही है। गूगल की यह उपलब्धि केवल एक तकनीकी माइलस्टोन नहीं, बल्कि मानव बुद्धि और क्वांटम विज्ञान के संगम का प्रतीक है। 'क्वांटम इकोज' एल्गोरिदम के माध्यम से अब हम ब्रह्मांड की सूक्ष्मतम परतों को समझने के और करीब पहुंच चुके हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले दशक में क्वांटम कंप्यूटिंग दवा निर्माण, ऊर्जा उत्पादन, और सामग्री अनुसंधान के पूरे ढांचे को बदलकर रख देगी।

आज का राशिफल

मेष
आज धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आज के दिन आपकी आमदनी संतोषजनक रहेगी। सायंकाल में मंगल कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे। राशि स्वामी ज्येष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण पर चल रहा है। ऐसे में नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति की संभावना बन रही है। बृहस्पति कर्क राशि पर मार्गी होंगे, इससे स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है।

वृष
आज परिवार में भी सुख शांति का वातावरण बना रहेगा। किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति होती दिख रही है। नौकरी में स्थान परिवर्तन और उन्नति के आसार नजर आ रहे हैं। पारिवारिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। अनावश्यक व्यय पर नियंत्रण रखें। सायंकाल से लेकर रात्रि तक कला संगीत का आनंद भी मिल सकता है।

मिथुन
आज नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति का योग बना हुआ है। संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। रहन-सहन खान पान का स्तर बढ़ेगा। इस दौरान सुन्दर वस्त्रों के प्रति आपका रुझान घटता हुआ दिख रहा है। नौकरी तथा व्यवसाय में भी भागीदारी होगी। आपको साथियों का सहयोग पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

कर्क
आज राजकीय यात्रा का योग बन रहा है। संतान सुख में वृद्धि होगी और कहीं से उपहार मिल सकता है। उत्तम मित्रों के सहयोग से मन में निराशा का भाव समाप्त होगा। सायंकाल से रात्रि तक अध्ययन, पठन-पाठन में मन लगेगा। रात्रि में शयन सुख की विशेषता रहेगी।

सिंह
आज घर में मांगलिक कार्यों के आयोजन से मन में प्रसन्नता रहेगी। अभिन्न मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के नए स्रोत बनेंगे। आमदनी बढ़ने और अचानक बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से मनोबल बढ़ा रहेगा। आज राशि से अष्टम घर में मीन राशि का शनि मार्गी हो रहा है।

कन्या
आज के दिन कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत करने से आय में उचित वृद्धि देखने को मलेगी। बौद्धिक कार्यों व लेखन आदि से भी आय होगी। आज के दिन क्रोध से बचें। संतान पक्ष से भी उच्च शिक्षा, शोधादि में सार्थक परिणाम मिलेंगे।

तुला
आज आपकी इच्छा के विरूद्ध कोई कार्य मिल सकता है। इससे आप असहज हो सकते हैं। परिवार में सर्वत्र सुख शांति रहेगी। अचानक अनियोजित खर्च बढ़ सकते हैं। यदि आप नौकरी में हैं तो अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। सायंकाल के समय धार्मिक साहित्य पढ़ने में रुचि बढ़ेगी। रात्रि का समय सामाजिक आयोजन में बीतेगा।

वृश्चिक
आज माता का सानिध्य व आशीर्वाद विशेष रूप से फलीभूत होगा। बहुत समय से रुका हुआ धन किसी महापुरुष के सहयोग से प्राप्त हो जाएगा। संतान पक्ष से और बौद्धिक क्षेत्र में सुखद परिणाम मिलने से प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु
आज कार्यक्षेत्र में कठिनाई व परिश्रम की अधिकता रखेगा। ऐसे में बातचीत में संयम रखें, किसी संपत्ति को लेकर परिवार में विवाद की स्थिति बन सकती है। भाइयों में वैचारिक मतभेद उत्पन्न होंगे। सायंकाल से लेकर आधी रात तक निकट की यात्रा का योग है। आगे आने वाले कुछ दिन स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मकर
आज उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। आपके भाग्य का उदय होता दिख रहा है। इससे धन, कर्म, कीर्ति में वृद्धि होगी और प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अंत में आपकी ही जीत होगी। इस दौरान आपके सभी मनोरथ सिद्धि होंगे।

कुंभ
आज कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारी और धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। संपत्ति का विस्तार और संपत्ति से आय में वृद्धि होगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, कहीं जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद उत्पन्न न हो जाए। सायंकाल के समय धार्मिक आयोजन में भागीदारी या धार्मिक यात्रा हो सकती है।

मीन
आज आपका दिन मिश्रित फल कारक है। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। संपत्ति के सुधार व रख-रखाव में खर्च बढ़ेगा। आज दिन में कुछ निकट के मित्रों व रिश्तेदारों का आगमन हो सकता है। संपत्ति से भी आय के नए स्रोत विकसित होंगे। आज के दिन कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

अमन गुप्ता ने छोटा सा निवेश कर 33000 प्रतिशत का रिटर्न पाया

उनका नेट वर्थ करीब 720 करोड़ रुपये का है

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिन में आठ घंटे की नौकरी कर आप कितना कमा लेंगे। अब बोट के फाउंडर अमन गुप्ता को देखिए। उनका नेट वर्थ करीब 720 करोड़ रुपये का है। उन्होंने शार्क टैंक इंडिया के एक छोटे से स्नैक ब्रांड पर 12 लाख रुपये का दांव लगाया। आज यह एक बहुत बड़ी सफलता की कहानी बन गया है। कहानी इसलिए बनी क्योंकि नमकीन और भुजिया बनाने वाली लेट्स ट्राई नाम की एक छोटी सी कंपनी में किए गए उनके निवेश पर भारी-भरकम रिटर्न मिला है।

बटोर रहे हैं सुर्खियां- बोट के अमन गुप्ता इस वक्त खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिस मामूली भुजिया-चिप्स वाली कंपनी में उन्होंने शुरुआत में पैसे लगाए थे, आज उसकी

हिस्सेदारी 40 करोड़ रुपये की हो गई है। एक्स पर उनकी पोस्ट आग की तरह फैल गई। इसकी वजह सिर्फ 33,000 प्रतिशत का भारी रिटर्न ही नहीं, बल्कि यह कहानी भी है कि उन्होंने ऐसे बिजनेस में क्यों पैसा लगाया जिसे कोई और नहीं चाहता था।और साबित कर दिया कि समझदारी शोर-शराबे से बेहतर होती है। कई लोगों ने इसे जिंदगी में एक बार मिलने वाली जीत बताया। रिपब्लिक वर्ल्ड से बात करते हुए अमन गुप्ता ने कहा था कि लेट्स ट्राई में उनका निवेश शो में लिया गया सबसे अच्छा फैसला था। उन्हें याद है कि शार्क टैंक के पहले सीजन में किसी भी दूसरे शार्क ने इस पिच का समर्थन नहीं किया था क्योंकि फाउंडर रोजमर्रा के स्नैक्स जैसे चिप्स और भुजिया बना रहे थे। कई लोगों को लगा कि यह मार्केट पहले से ही बहुत भरा हुआ है। गुप्ता ने अपनी अंतरात्मा की सुनी, 12 लाख रुपये का निवेश किया, और आज वह हिस्सेदारी 40 करोड़ रुपये की है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें उसी राशि में इसे खरीदने का ऑफर भी मिला था। कैसे आया। उन्होंने बताया कि एक मोड़ तब आया जब नितिन के भतीजे को थैलेसीमिया (एक खून की बीमारी) हो गया। इससे परिवार ने सेहतमंद स्नैक के विकल्पों की तलाश शुरू की।

एनवीडिया में उतना रिटर्न नहीं

अमन गुप्ता ने एक्स पर शेयर किया कि जहां एनविडिया जैसी टेक कंपनियों में उनके पैसे नहीं चले, वहीं एक साधारण से स्नैक ब्रांड ने उन्हें जिंदगी बदलने वाला मुनाफा दिया। उन्होंने बताया कि लेट्स ट्राई में उनके 12 लाख रुपये चार साल में 40 करोड़ रुपये बन गए, यानी 333 गुना की बढ़ोतरी हुई। उन्होंने यह भी कहा कि वे कभी भी सिर्फ एक्सेल शीट देखकर निवेश नहीं करते। वे ऐसे फाउंडर्स को सपोर्ट करते हैं जिनमें जुनून, भूख और यकीन हो। उनके मुताबिक, यह शार्क टैंक इंडिया के इतिहास का सबसे बेहतरीन नतीजा है।

लिस्टेड स्टॉक ऐसे रिटर्न नहीं दे सकता

इंटरनेट पर लोगों ने खूब प्रतिक्रिया दी। सीए नितिन कौशिक ने लिखा कि कोई भी लिस्टेड स्टॉक ऐसे रिटर्न नहीं दे सकता। उन्होंने बताया कि शुरुआती दौर में इक्विटी में निवेश में जोखिम होता है, लेकिन यहां फायदा बहुत ही असाधारण था। कुछ लोगों ने मजाक में कहा कि असली पैसा सिलिकॉन चिप्स में नहीं, बल्कि कुरकुरे चिप्स में है। 12 लाख से करोड़ों का सफर वाकई कमाल का था। कुछ लोगों ने गुप्ता की तारीफ की कि उन्होंने एक ऐसे बोरिंग कैटेगरी में दांव लगाया।

कर्ज रिपोर्टों में गलतियां, क्रेडिट सूचना कंपनियों के खिलाफ बढ़ीं शिकायतें

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज रिपोर्टों में भारी गलतियां पाईं गई हैं। इससे उधारकर्ताओं में असंतोष बढ़ रहा है। इसका पता इस बात से चलता है कि क्रेडिट सूचना कंपनियों के खिलाफ तीन वर्षों में शिकायतें चार गुना बढ़

गई हैं। यह तेज उछाल ऐसे समय में आया है जब भारत के वित्तीय लोकपाल की ओर से निपटाई जाने वाली शिकायतों में बैंकों, एनबीएफसी और डिजिटल भुगतान कंपनियों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओंबुड्समैन पर सालाना रिपोर्ट सोमवार को जारी की गई। इसके अनुसार, क्रेडिट सूचना कंपनियों के खिलाफ शिकायतें 2022-23 में 1,039 से बढ़कर 2023-24 में 3,847 और 2024-25 में 4,585 हो गईं। यह सभी विनियमित संस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि है। इनमें से कई शिकायतें ऋण और अग्रिमों से संबंधित हैं। यह क्रेडिट सूचना कंपनियों से जुड़ी सभी शिकायतों का 84 फीसदी से अधिक हिस्सा हैं। लोकपाल के पास दर्ज कुल शिकायतें 2024-25 में बढ़कर 2.95 लाख तक पहुंच गईं। ये आंकड़े वित्तीय क्षेत्र को बढ़ते ग्राहक आधार, अधिक रिफाइंड उत्पादों और सेवा सटीकता की बढ़ती अपेक्षाओं से जूझते हुए दर्शाते हैं। बैंकों के खिलाफ सबसे ज्यादा शिकायतें मिलने का क्रम जारी है। वित्त वर्ष 2024-25 में इनके खिलाफ 2,41,601 शिकायतें मिलीं। इसी तरह, जमा खातों से संबंधित मामले सभी शिकायतों में 20.63 फीसदी तक पहुंच गए। क्रडिट कार्ड संबंधी शिकायतें दो वर्षों में पांच प्रतिशत से अधिक बढ़कर 17.16 फीसदी तक पहुंच गईं। एटीएम और डेबिट कार्ड में आई भारी कमी हालांकि, कुछ श्रेणियों में थोड़ी राहत देखी गई। एटीएम और डेबिट कार्ड से जुड़ी शिकायतें 14.56 फीसदी से घटकर 7.47 फीसदी हो गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह गिरावट व्यवहार में बदलाव का संकेत दे सकती है क्योंकि अधिक उपभोक्ता कार्ड आधारित लेनदेन से डिजिटल भुगतान प्रणालियों की ओर रुख कर रहे हैं। इससे उन क्षेत्रों में टकराव कम हो रहा है जो कभी ग्राहकों के असंतोष के लिए जाने जाते थे। सरकारी बैंकों के खिलाफ 1,03,117 व निजी बैंकों के खिलाफ 1,11,199 शिकायतें मिली हैं।

तेजी के दौर में भी खुदरा निवेशकों ने बेचे 25000 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।
अक्तूबर-नवंबर में सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूत तेजी के बावजूद खुदरा निवेशकों ने 25,000 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेच दिए। सोना-चांदी की ऐतिहासिक बढ़त और बाजार की अस्थिरता इस बिकवाली की बड़ी वजह बनी।

घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी में भी खुदरा निवेशक इस तेजी से पूरी तरह गायब रहे। शेयरों की बढ़ती कीमतों के बीच इन्होंने अक्तूबर और नवंबर में 25,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बेच दिए हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर में 13,776 करोड़ रुपये और नवंबर में 11,544 करोड़ के शेयर बेचे गए हैं। यह विसंगति इसलिए भी चौंकाने वाली है, क्योंकि

इस दौरान शेयर बाजार में अच्छी तेजी दर्ज की गई। अक्तूबर में सेंसेक्स और निफ्टी चार फीसदी से ज्यादा चढ़े और नवंबर में 2 प्रतिशत बढ़े। अक्तूबर में बीएसई मिडकैप सूचकांक 4.7 फीसदी और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 3.22 प्रतिशत चढ़ा। हालांकि, नवंबर में बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा। मिडकैप सूचकांक 0.4 व स्मॉलकैप सूचकांक 3.4 प्रतिशत गिर गए। विश्लेषकों का कहना है कि साल की शुरुआत से ही खुदरा निवेशकों को शेयर बाजार में अस्थिरता का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अक्तूबर और नवंबर में बाजार में सुधार शुरू हुआ, फिर भी कई छोटे निवेशकों ने बाजार के इस मौके का फायदा उठाकर मुनाफा वसूली की। इस साल जनवरी से सितंबर तक सूचकांकों में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन बीएसई मिडकैप सूचकांक 3 प्रतिशत और स्मॉलकैप सूचकांक 5 प्रतिशत गिर गया। इससे खुदरा निवेशक दुखी हो गए।

टैरिफ का फायदा उठाकर चीन बढ़ा रहा दबदबा

भारत के निर्यात में 12.6 प्रतिशत गिरावट, कई सेक्टर हुए प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर अमेरिका में लगे टैरिफ का फायदा चीन उठा रहा है। इससे देश के कई प्रमुख बाजारों में चीनी वस्तुओं का दबदबा बढ़ रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 19 फीसदी की वृद्धि जरूर हुई लेकिन इसकी अगुवाई स्मार्टफोन ने की, जिसके निर्यात मूल्य में 2.4 अरब डॉलर की तेजी आई है। अधिकांश अन्य प्रमुख निर्यात श्रेणियों में तेजी से गिरावट आई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के टैरिफ दबाव और आक्रामक चीनी प्रतिस्पर्धा का

यह मेल भारत की निर्यात क्षमता को कमजोर कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स ही एकमात्र बेहतर क्षेत्र है। स्मार्टफोन ने इस क्षेत्र के निर्यात में 60 फीसदी का भारी योगदान दिया। इसमें अक्तूबर में आईफोन का योगदान 1.6 अरब डॉलर था। लेकिन विशेषज्ञ कहते हैं कि यह वास्तविक वृद्धि नहीं है। आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अक्तूबर में भारत के व्यापारिक निर्यात में भारी कमी देखी गई। अधिकांश प्रमुख क्षेत्रों में भी इसी तरह की गिरावट दर्ज की गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र : 19.05 प्रतिशत तेजी

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र एकमात्र रहा है जिसमें सबसे ज्यादा 19.5 फीसदी की तेजी आई और यह 4.08 अरब डॉलर पर पहुंच गया। शीर्ष दस निर्यात श्रेणियां अक्तूबर, 2024 के 31.8 अरब डॉलर से घटकर 27.8 अरब डॉलर पर आ गईं। यानी 12.6 फीसदी की गिरावट। व्यापारिक निर्यात 38.98 अरब डॉलर से घटकर 34.38 अरब डॉलर रह गया। सेवाओं सहित कुल निर्यात गिरावट के साथ 72.89 अरब डॉलर रह गया।वैश्विक मांग में मंदी और लॉजिस्टिक संबंधी चुनौतियों के साथ अक्तूबर के आंकड़े निर्यातकों के लिए संकट को दर्शाते हैं। इसका मतलब जहां इलेक्ट्रॉनिक्स में अब भी आशा की किरण दिख रही है, वहीं निर्यात इंजन लड़खड़ा रहे हैं।

इंजीनियरिंग वस्तुओं में आई 17 फीसदी की कमी

निर्यात पोर्टफोलियो की रीढ़ इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 16.7 फीसदी गिरकर अक्तूबर में 9.37 अरब डॉलर पर आ गया। पेट्रोलियम उत्पाद 10.5 फीसदी घटकर 3.95 अरब डॉलर रह गया। दवाओं एवं फार्मा निर्यात में 5.2 फीसदी की कमी आई और यह 2.49 अरब डॉलर रह गया।यह कई वर्षों में पहली बार हुआ है। भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, लंबे समय में पहली बार भारत की शीर्ष दस निर्यात श्रेणियों में सामूहिक रूप से गिरावट आई है। यह व्यापार के मोर्चे पर वैश्विक और घरेलू दोनों दबावों को उजागर करता है। विश्लेषकों ने कहा, इसके पीछे कई कारक हैं। अमेरिकी टैरिफ ने प्रमुख क्षेत्रों को प्रभावित किया।

संगठित क्षेत्र की नौकरियों में 23 फीसदी की बढ़त, गैर-आईटी क्षेत्रों में बढ़ी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा, रियल एस्टेट, आतिथ्य और यात्रा व बीमा जैसे गैर-आईटी क्षेत्रों में मांग बढ़ने से नवंबर में संगठित क्षेत्र की नौकरियों में 23 फीसदी की तेजी देखी गई है। नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स के अनुसार, दिवाली के आगे बढ़ने से अक्तूबर में नियुक्तियों में 9 फीसदी गिरावट दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में आईटी नियुक्तियां स्थिर रहीं। गैर-आईटी क्षेत्रों में नियुक्तियों में ठोस वृद्धि रही। उच्च मूल्य वाली भूमिकाओं (20 लाख रुपये सालाना) व यूनिकॉर्न की नियुक्तियों में क्रमशः 38 और 35 फीसदी की वृद्धि हुई। यूनिकॉर्न में ई-कॉमर्स कंपनियों की संख्या 27 फीसदी रही। आईटी यूनिकॉर्न में 16 फीसदी की तेजी रही। प्रवेश स्तर पर नियुक्तियों में 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसमें छोटे शहरों की प्रमुख भूमिका रही। 13-16 वर्ष के अनुभव वाले वरिष्ठ समूहों में यूनिकॉर्न की नियुक्तियों में 50 फीसदी वृद्धि रही। कुल भर्तियों में जयपुर में 31 फीसदी की तेजी रही।

अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा एआई

अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा एआई

नई दिल्ली, एजेंसी। एआई का बढ़ता प्रभाव दुनिया में अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की नई रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार एआई के लाभ केवल अमीर देशों तक ही सीमित रहेंगे। दुनिया भर में लाखों लोग जिनके पास डिजिटल कौशल, बिजली और इंटरनेट जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं, वे पीछे छूट जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में एआई की तुलना औद्योगिक क्रांति के दौर से की गई है। यह दावा किया गया है कि औद्योगिक क्रांति के दौरान जिस तरह से पश्चिमी देश तेजी से आगे बढ़ गए थे, और बाकी देश पीछे रह गए थे। वैसा ही एआई के दौर में भी होगा। रिपोर्ट यह भी कहती है कि गरीब और विस्थापित लोग अदृश्य हो सकते हैं, जिससे एआई सिस्टम उनकी जरूरतों को ध्यान में नहीं रखेगा।

एआई का ध्यान उत्पादकता पर: संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि कंपनियां और दूसरे संस्थान एआई का इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह सवाल चिंता का विषय है। एआई पर ज्यादातर ध्यान उत्पादकता, प्रतिस्पर्धा और ग्रोथ पर है। सवाल यह है कि इसका इंसानी जिंदगी पर क्या असर होगा।

सोना 1,000 रुपये महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज फिर तेजी आई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,000 रुपये से ज्यादा चढ़ी है जबकि चांदी ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर 5 फरवरी की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,29,759 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था जबकि आज यह 1,30,550 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,30,502 रुपये तक लो और 1,30,955 रुपये तक हाई गया। सुबह 11.11 बजे यह 818 रुपये यानी 0.63 फीसदी तेजी के साथ 1,30,577 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस साल सोने की कीमत में 60 फीसदी तेजी आई है और यह 1979 के बाद अपने सबसे बेहतर प्रदर्शन की तरफ बढ़ रहा है। इस साल 11 में से 10 महीने इसकी कीमत में तेजी आई है। चांदी ने इस साल 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। इस बीच चांदी की कीमत शुरुआती कारोबार में 1,84,727 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 1,81,601 रुपये पर बंद हुई थी और आज 1,83,799 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें 3,000 रुपये से अधिक तेजी आई। हालांकि 11.15 बजे यह 242 रुपये यानी 0.13 फीसदी गिरावट के साथ 1,81,359 रुपये तक गया।

24 फी शेयर बांटने जा रही है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर कंपनी एपिस इंडिया बड़ा तोहफा देने जा रही है। एफएमसीजी कंपनी एपिस इंडिया अपने शेयरधारकों को 24:1 के रेशियो में बोनस शेयर बांटने जा रही है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 24 फी शेयर बांटेगी। एपिस इंडिया ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट शुक्रवार 5 दिसंबर 2025 फिक्स की है। कंपनी अपने निवेशकों को दूसरी बार बोनस शेयर का तोहफा दे रही है। एपिस इंडिया के शेयरों में पिछले कुछ साल में तूफानी तेजी आई है।

HIMACHAL PRADESH JAL SHAKTI VIBHAG

"SHORT NOTICE INVITING E-TENDER"

The Executive Engineer Jal Shakti Division Pooh, Distt. Kinnaur invites item rate tender on behalf of the Governor of H.P. from the eligible contractors for the following works through e-tendering process:

Sr. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of form	Time
1	Restoration of Rain Damages to FIS Lippa to Karla in Tehsil Pooh Distt. Kinnaur HP (SH:- Laying of HDPE Pipe,Providing RCC Thrust blocks from RD 00 to 7000)	1105427	21110	500	3 Months

Date of online publication of e-tendering 03-12-2025 and last date of submission of e-tendering 15-12-2025 up to 05:00PM and shall be opened on 16.12.2025 at 11:00AM Tender document and other detailed can be downloaded or viewed online from at **http://hptenders.gov.in** by the firm/individual registered on the website free of cost.

Executive Engineer
Jal Shakti Division Pooh
Distt. Kinnaur (HP)

R.No. 4838/2025-2026

अडानी-अंबानी की जीवनभर की कमाई पर भारी 2 अरबपतियों की 11 महीने की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
टेक्नोलॉजी सेक्टर के दिग्गजों ने इस साल निवेशकों को अरबों की कमाई से चौंका दिया है, जिसमें विशेष रूप से गूगल के सह-संस्थापक लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने अपने नेटवर्थ में अद्भुत बढ़ोतरी दर्ज की है। इन दोनों अरबपतियों की केवल इस साल की अबतक की कमाई ही एशिया के पहले और दूसरे सबसे रईस व्यक्तियों की जीवनभर की कमाई से अधिक है।

इस साल लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने अपने नेटवर्थ में कुल 195 अरब डॉलर जोड़े। इनमें सबसे अधिक 102 अरब डॉलर लैरी पेज के हैं और 93 अरब डॉलर सर्गेई ब्रिन के। दोनों की एक साल की संयुक्त कमाई मुकेश अंबानी के कुल नेटवर्थ 106 अरब डॉलर और अडानी के 85.6 अरब डॉलर से अधिक है।

बता दें 2025 की शुरुआत से अब तक, लैरी पेज की कुल संपत्ति में 102 अरब की भारी वृद्धि हुई है, जो उन्हें दुनिया के सबसे अमीर टेक्नोलॉजी उद्यमियों में एक टॉप पोजीशन देता है। उनके सहयोगी और गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन ने भी 93 अरब की वृद्धि के साथ ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में मजबूती दिखाई है।

टेक्नोलॉजी सेक्टर से बाहर, मेक्सिको के कार्लोस स्लिम ने भी 34.8 अरब डॉलर का सालाना लाभ कमाया है, जबकि फ्रांस के बर्नार्ड आर्नाल्ट ने चीन की कमोडिटी बाजार में भारी बढ़त के दम पर 25.5 अरब कमाए हैं।

एनविडिया के प्रमुख जेनसेन हुआंग भी इस साल अबतक 43.3 अरब डॉलर पीटकर कमाई के माामले में चौथे स्थान पर हैं। इनके अलावा रिटेल सेक्टर से जिम वॉल्टन (24.4 अरब डॉलर), एलिस वाल्टन (24.2 अरब डॉलर)और रॉब वॉल्टन (24.2 अरब डॉलर) भी कमाई की टॉप-10 लिस्ट में शामिल हैं। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि तकनीकी और वित्तीय बाजार में इस वर्ष जबरदस्त उछाल रहा है, जबकि विविध क्षेत्रों में भी निवेशकों को भारी मुनाफा हुआ है।

उत्तर रेलवे

ई. निविदा

खुली निविदा संख्या 43–अम्बाला/2025–26 दिनांक 02/12/2025

वरिष्ट मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारो से निम्न लिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यो के सामने दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	एडीईएन/यूएमबी के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/आरवी/यूएमबी के खंड में रेल विहार कॉलोनी (चरण–III) में मौजूदा एसटीपी का विस्तार।	2,81,98,686	2,91,000	04 महीने	24/12/2025
2	सीनियर डीईएन–II यूएमबी के सेक्शन में 25.396 टी आर आर (एस) और 24.585 टीकेएम के सीटीआर (एस) के संबंध में एडीईएन/बीटीआई और एडीईएन/पीटीए के सेक्शन में मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर रेल की वेल्डिंग और सीनियर डीईएन II और III के सेक्शन में एमएफबीडब्ल्यूपी के साथ एसडब्ल्यूआर से एलडब्ल्यूआर मे लूप लाइन का रूपांतरण।	4,77,08,135	3,88,600	18 महीने	24/12/2025

नोटः 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंन्टों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होगें। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लोग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास–III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी। **3736/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

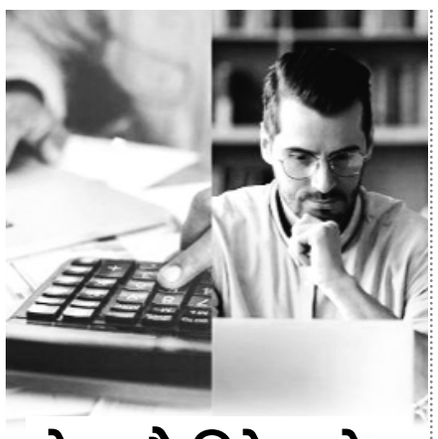

लेना है विदेश में एजुकेशन इन बातों का ध्यान रखें

उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे इसके लिए फोकस्ड तैयारी करें। उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जरूरी है कि वे इसके लिए फोकस्ड तैयारी करें। इस बारे में यहां उपयोगी सलाह दे रही हैं आदित्य बिड़ला वर्ल्ड अकेडमी की हेड करियर गाइडेंस काउंसलर।

विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी के बारे में सोचना कब से शुरू कर देना चाहिए?

आठवीं से ही। हम उनसे कहते हैं कि वे अपने करियर के बारे में सोचना और उस पर काम करना शुरू कर दें। कौन-से विषय वहां तक पहुंचने में आपकी मदद करेंगे, कौन-से कॉलेज में पढ़ाई करनी है, ये सारे फैसले बाद में लेने होंगे। यह जरूरी नहीं कि आप विदेशी यूनिवर्सिटीज की ओर ही देखें। भारत में भी बेहतरीन यूनिवर्सिटीज हैं। जरूरी यह है कि आप फोकस्ड रहें।

क्या एक साल का गैप लेना ठीक है, जो आजकल ट्रैंड बनता जा रहा है?

गैप ईयर का परसेप्शन बदल रहा है। महत्वपूर्ण यह है कि कोई विद्यार्थी कैसे साल बिताता है। गैप लेने के बाद जिनकी एप्लिेशन स्ट्रॉन्ग होती है, वे अकेडेमिकली भी स्ट्रॉन्ग होते हैं। अपने सफर के दौरान वे कई तरह की इंटर्नशिप भी करते रहते हैं।
यूनिवर्सिटीज भी यही देखती हैं। वे जानना चाहती हैं कि विद्यार्थी कैसे अपने समुदाय को सशक्त बनाते हैं।

इंटर्नशिप कितनी जरूरी है?

समर इंटर्नशिप करियर के बारे में आपका नजरिया बदल सकती है। मैं एक उदाहरण देना चाहूंगी। एक छात्रा ने हमसे कहा कि आर्ट और कलर उसकी जिंदगी है। वह आर्टिस्ट बनना चाहती थी लेकिन स्टूडियो में इंटर्नशिप के दौरान उसे एहसास हुआ कि वह मार्केट और आर्ट की सेल के बारे में कहीं अधिक इच्छुक थी। इसलिए आखिर में उसने मैनेजमेंट कोर्स जॉइन कर लिया।

सही यूनिवर्सिटी का चुनाव कैसे करना चाहिए?

सही चॉइस ही आपको सही नौकरी, सही करियर, सही माहौल और यहां तक कि सही पार्टनर तक पहुंचाती है। इसलिए तमाम संभावनाओं पर विचार करने के बाद ही तय करें कि आप सबसे अधिक कहां फिट बैठते हैं। भारत में पैरेंट्स अपनी आय का 70 प्रतिशत हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर खर्च करते हैं। मगर जब कोई स्टूडेंट चार साल यूनिवर्सिटी में बिताता है, तो हमें खुद से सवाल पूछना होगा कि क्या वह वहां खुश है!

स्टेटमेंट ऑफ पर्पज (एसओपी) में यूनिवर्सिटी क्या देखती है?

एसओपी में यूनिवर्सिटी आपके बारे में ज्यादा जांचना चाहती है। ऐसा अमेरिका व ब्रिटेन की यूनिवर्सिटीज में खास तौर पर होता है। मैं सलाह देती हूं कि एसओपी खुद तैयार करें। इसके लिए किसी और को हायर न करें।

आपके सपनों को साकार करने का मौका एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपको अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने के साथ आपके सपनों को साकार करने का मौका देगा। इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का मुख्य काम एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, उपग्रह और मिसाइलों को डिजाइन करना है। साथ ही सभी डिजाइन का सही आकलन करने के लिए उनके प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं। इसके अलावा ये निर्धारित योजनाओं के अनुकूल कार्य भी करते हैं।

अगर आप बचपन में आसमान में उड़ते प्लेन को देखकर उत्साहित हो जाते थे और अब भी नीले आसमान में उड़ान भरने के साथ अंतरिक्ष का सैर करना चाहते हैं तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपके लिए एकदम सही करियर विकल्प है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपको अंतरिक्ष के रहस्यों को सुलझाने के साथ आपके सपनों को साकार करने का मौका देगा। इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का मुख्य काम एयरक्राफ्ट, स्पेस क्राफ्ट, उपग्रह और मिसाइलों को डिजाइन करना है। साथ ही सभी डिजाइन का सही आकलन करने के लिए उनके प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं। इसके अलावा ये निर्धारित योजनाओं के अनुकूल कार्य भी करते हैं।
इन कार्यों के अलावा इस क्षेत्र में कार्य करने वाले इंजीनियर एयर क्राफ्ट की ताकत उसकी क्षमता, विश्वसनीयता और विमान तथा उसके अन्य पार्ट्स का लम्बे समय तक टिकाऊ बने रहने के लिए ध्वंसात्मक तथा गैर ध्वंसात्मक परीक्षण की दिशा में कार्य कर सकते हैं या फिर कार्य करने के लिए निर्देश दे सकते हैं।

एयरोस्पेस इंजीनियर का कार्य

इस क्षेत्र में एयरोस्पेस इंजीनियर का कार्य स्पेसक्राफ्ट, डिफेंस सिस्टम और एविएशन और एविओनिक्स में इस्तेमाल होने वाली नई इंजीनियरिंग तकनीकों को तैयार करना है। इसके अलावा एक एयरोस्पेस इंजीनियर वायुगतिकीय द्रव प्रवाह जैसे क्षेत्रों में कुशल होता है। जैसे- संरचनात्मक डिजाइनय मार्गदर्शन, नेविगेशन और नियंत्रण इंस्ट्रूमेंटेशन और संचार, रोबोटिक्स, या प्रणोदन और दहन आदि। साथ ही वे विभिन्न प्रकार के एयरोस्पेस मशीनरी को डिजाइन करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। उदाहरण के लिए वाणिज्यिक विमान, हेलीकॉप्टर, युद्धक विमान अंतरिक्ष यान, उपग्रह, प्रक्षेपण वाहन, रॉकेट और मिसाइल।
एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के लिए एजुकेशन
अगर आप एयरोस्पेस में इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको न्यूनतम स्नातक की डिग्री यानी बीई या फिर बीटेक व बीएस या फिर किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से समकक्ष की आवश्यकता होती है। इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री उन उम्मीदवारों के लिए एक 4 वर्ष का कार्यक्रम है, जिन्होंने भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के साथ कक्षा 12वीं की शिक्षा पूरी की है। टफ मैथ्य और कम्प्यूटेशनल फार्मुलों के साथ भौतिकी की गतिशीलता को समझना एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में स्नातक कार्यक्रम में दाखिला लेने के लिए कुछ आवश्यक लक्षण हैं। वहीं एमएसए एमटेक और पीएचडी आदि विश्वविद्यालयों जैसे स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए निबंध परीक्षा और व्यक्तित्व साक्षात्कार के बाद मानकीकृत परीक्षा में स्कोर करना जरूरी है।

क्रिएटिव थिंकिंग एबिलिटी

एक एयरोस्पेस इंजीनियर में क्रिएटिव थिंकिंग एबिलिटी होना चाहिए। सीधी बात कि उनमें यह सोचने में सक्षम होना चाहिए कि किन परिस्थितियों में डिजाइन, सामग्री और अंतिम उत्पाद या परियोजना विफल हो सकती है और एक गड़बड़ या विफलता के मामले में वैकल्पिक विकल्प क्या होने चाहिए।

टीम वर्कर

एक एयरोस्पेस इंजीनियर टीम में काम करता है, उसे काम के माहौल में सीखने और बनाने में सक्षम होने के लिए एक अच्छा टीम वर्कर होना चाहिए।

राइटिंग स्किल

एयरोस्पेस इंजीनियर के लिए यह बहुत जरूरी स्किल है कि उनके अंदर स्पष्ट लेखन के लिए अच्छा लेखन कौशल होना चाहिए और ऐसे डिजाइन बनाने चाहिए जो अन्य टीम के कार्यकर्ता पूरी तरह से समझ सकें।

एनालिटिकल स्किल

एयरोस्पेस मशीन के साथ विभिन्न वातावरणों के विकल्पों का सुझाव देने के लिए एयरोस्पेस मशीन और उसके डिजाइन की कार्य परिस्थितियों को समझने के लिए साउंड एनालिटिकल स्किल होने चाहिए।

बिजनेस स्किल

एयरोस्पेस इंजीनियर को यह पता होना जरूरी है कि वो जिस परियोजना में लगे हैं, उसकी लागत क्या होगी और कंपनी या सरकार को फायदा कैसे मिलेगा। क्योंकि सभी तरह के फायदे के लिए रूपरेख एयरोस्पेस इंजीनियर को बनानी पड़ती है।

भारत में एयरोस्पेस इंजीनियर

अगर आप एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको एयरलाइंस के अलावा वायु सेना, कॉर्पोरेट रिसर्च कंपनियों, रक्षा मंत्रालय, हेलीकाप्टर कंपनियों, विमानन कंपनियों में जॉब मिल सकती है। भारत के अंदर इस क्षेत्र में प्रमुख भर्ती करने वालों में से कुछ हैं हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड, रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएं, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, नागरिक उड्डयन विभाग, एयर इंडिया, भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन व अन्य।

एयरोस्पेस इंजीनियर कहां काम करते हैं

इंजीनियर ज्यादातर सरकारी एजेंसियों और मेन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्रीज में काम करते हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ चुनिंदा एयरोस्पेस इंजीनियरों को नासा जैसे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम करने के लिए भी चुना जाता है। वर्तमान में एयरोस्पेस इंजीनियर एयरोडायनेमिक्स के बेसिक कॉन्सेप्ट पर काम कर रहे हैं। साथ ही इनके पास एयरक्राफ्ट पावर प्लांट जैसे टर्बो प्रोप, पिस्टन इंजन और जेट्स के कामकाज के विषय में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। कुछ एयरोस्पेस इंजीनियर राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित परियोजनाओं पर काम करते हैं और इसके लिए उन्हें सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करनी पड़ती है।

जॉब के अवसर

इस क्षेत्र में जॉब के लिए आपके पास कम से कम इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन डिग्री होना आवश्यक है। कई ऐसे एम्प्लॉयर जो विशेष रूप से जो इंजीनियरिंग कंसल्टिंग सर्विसेज प्रदान करते हैं, उन्हें एक सर्टिफाइड इंजीनियर की आवश्यकता होती है। इस समय देश में निम्नलिखित संगठन जॉब दे रहे हैं।

- एयर फोर्स
- सरकारी अनुसंधान
- कॉर्पोरेट अनुसंधान
- हेलीकॉप्टर कंपनियां
- एयरलाइंस
- एयरशिप्स
- विमानन कंपनियां
- मिसाइल
- फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट
- रक्षा मंत्रालय
- उपग्रह
- अंतरिक्ष यान

जीवन के और हमारे मन के भी दो पहलू होते हैं। हम या तो सकारात्मक होते हैं या नकारात्मक। यदि हम सकारात्मक होना चुनते हैं, तो यह आशा और आत्मविश्वास जगाता है। हम खुद पर भरोसा करना सीख लेते हैं। हम स्वप्रेरित होते हैं और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन जाते हैं। देश और दुनिया के युवा लीडर्स इन्हीं बातों पर जोर देते हैं।

सकारात्मकता को चुनते हैं देश और दुनिया के युवा

जानी-मानी फैशन स्टाइलिस्ट हैं अमी पटेल। वे काजोल, लारा दत्ता, आलिया भट्ट, अक्षय कुमार और ऐसे ही कई दिग्गज बॉलीवुड स्टार्स के फैशन, उनके स्टाइल को मेंटेन रखने का काम करती हैं। उनके मुताबिक, स्टाइल फीका है यदि आपकी बॉडी लैंग्वेज, आपका चेहरा साथ नहीं दे रहा। यदि आप खुद अव्यवस्थित या कंफ्यूज रहते हैं, तो फैशन से इसे बदलना मुश्किल है। विचार आपका आईना हैं, यह ध्यान रखें। फिर आप जो भी पहनेंगे, लोग देखते रह जाएंगे। अमी खुद एक मेडिटेशन टीचर भी हैं और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए इसे बहुत जरूरी मानती हैं। उनके मुताबिक, हमें वह सब करना चाहिए, जिसकी वजह से हमारी सकारात्मक सोच को बनाए रखने में मदद मिल सके।

सीखने की ललक

जस्ट डायल के सीईओ वीएसएस मणि की सक्सेस स्टोरी भी कुछ इसी तरह की है। इसका सार यह है कि यदि आप विपरीत परिस्थिति में भी अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखने में सक्षम होते हैं, तो आपकी मंजिल ज्यादा दूर नहीं। वे कहते हैं, जब मैंने इस बिजनेस आइडिया के बारे में सोचा था, तो भारत में इंटरनेट का इतना प्रभाव नहीं था। एक तो मुश्किल आइडिया, उस पर घर की माली हालत खराब। काम शुरू करना है, तो पैसा चाहिए ही, सो मैंने दूसरे कामों के साथ जुड़कर घर की जिम्मेदारी भी संभाली और अपने बिजनेस आइडिया पर भी चुपचाप काम करता रहा। मणि आज भी अपने बिजनेस को 20 साल पुराना स्टार्ट-अप ही कहते हैं। उनके अनुसार, इससे सीखने की ललक बनी रहती है। जब तक यह इच्छा रहेगी, आपकी सोच भी सकारात्मक रहेगी। सकारात्मक लोग हमेशा कुछ-न-कुछ करते-सीखते रहते हैं।

समस्याओं से न भागें

मुझसे लोग हमेशा पूछते हैं कि आप तमाम जिम्मेदारियों से उपजे स्ट्रेस के बीच कुंठित क्यों नहीं होते, गुस्सा क्यों नहीं आता? मेरा जवाब होता है, आप इसके अलावा यह भी तो कह सकते हैं कि आप कितने पॉजिटिव हैं! यह कहना है ब्रैंडन वैलेस का। वे अमेरिकी सरकार में पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्यरत हैं। अपनी सरकारी जिम्मेदारियों के अलावा, वे युवाओं से जुड़े मसलों पर भी सक्रिय हैं। खास तौर पर इस दिशा में कि युवाओं को शांति और सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए।
वे कहते हैं, कोई समस्या आपके सामने आती है, तो दो ही विकल्प होते हैं आपके पास। या तो आप समस्याओं से जूझें, दुख-दर्द का अनुभव करें या फिर इन सबका पूर्वानुमान लगाकर पलायन कर जाएं। मैं दर्द लेता हूं क्योंकि यह हमें अंतत-स्थिर करता है। हममें ठहराव लाता है और इस ठहराव का चयन हमेशा सकारात्मक मिजाज का व्यक्ति ही कर सकता है।

फोकस खुद पर

जिनकी सोच सकारात्मक होती है, वे हमेशा अपनी गलतियों की तरफ देखते हैं। उनमें सुधार के बारे में चिंतन करते हैं। वे रुकी हुई घड़ी को भी देखकर यह कहना जानते हैं कि देखो, यह घड़ी नहीं चल रही लेकिन यह रोज दो बार सही वक्त बता पाने में सक्षम है। ब्रिटेन की अभिनेत्री फागुन ठकरार बचपन से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, पर उनके पैरेंट्स की इच्छा थी कि वे डॉक्टर बनें। वे डॉक्टर बनीं भी, मगर बाद में कड़ी मेहनत करते हुए उन्होंने अपना सपना भी पूरा किया। आज वे डॉक्टर ही नहीं, एक्टर, डायरेक्टर, राइटर और फैशन डिजाइनर भी हैं। बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी फागुन कहती हैं, मैं इस बात की परवाह नहीं करती कि लोग क्या सोचेंगे। मैं हमेशा इसका ध्यान रखती हूं कि मैं अपना बेस्ट दे सकूं। अपने काम के दौरान मैंने बहुत सारी मुश्किलें झेली हैं। लीक से हटकर सोचना और करना आसान नहीं, लेकिन मेरे पास जादू की छड़ी है और वह है सकारात्मक सोच।

9 दिसंबर से टी20 सीरीज

गिल की उपलब्धता पर होगी चयन समिति की निगाहें

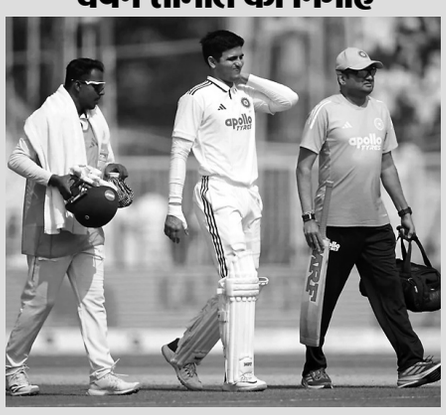

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 9 दिसंबर से पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज शुरू होगी, जिसमें शुभमन गिल की फिटनेस और उपलब्धता पर सभी की निगाहें रहेंगी। बुधवार को अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति रायपुर में मीटिंग करेगी, ताकि 15 सदस्यीय टीम तय की जा सके। शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में चौका लगाने के बाद चोटिल हुए थे। गर्दन में चोट के बाद गिल सीरीज का अगला मुकाबला नहीं खेल सके। इसके बाद उन्हें वनडे सीरीज से भी बाहर बैठना पड़ा। जानकारी मिली है कि गिल रिहैब के लिए मंगलवार को बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंच गए हैं। टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम 6 दिसंबर को एकजुट होगी, इसलिए चयनकर्ताओं को बुधवार को टीम चुननी होगी। फिलहाल, टी20 सीरीज में गिल के खेलने की संभावनाएं 50 प्रतिशत हैं। एक सूत्र ने बताया, 'हो सकता है कि गिल बल्लेबाजी आजमाएं और देखें कि आगामी सीरीज में उन्हें शामिल करने का फैसला लेने से पहले वह फिटनेस को लेकर कैसा महसूस कर रहे हैं। अगर शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलते, तो अभिषेक शर्मा के साथ संजू सैमसन या यशस्वी जायसवाल बतौर सलामी बल्लेबाज नजर आ सकते हैं। संजू सैमसन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में सिर्फ दो मैच खेले, जिसमें एक बार बल्लेबाजी का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने 'नंबर 3' पर बैटिंग की। उम्मीद की जा रही है कि इस टी20 सीरीज में सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी शामिल किया जा सकता है। पंड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के खिलाफ 1 विकेट लेने के बाद नाबाद 77 रन बनाए हैं। पंड्या की शानदार पारी के दम पर बड़ौदा ने मुकाबला 7 विकेट से जीता। पंड्या को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी। पहला मैच कटक में खेला जाएगा, जिसके बाद 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा मुकाबला होगा।

एर्लिंग हालैंड ने बनाया अद्भुत रिकॉर्ड

प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे तेज 100 गोल करने वाले बने खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने क्रेवेन कॉटेज में खेले गए मुकाबले में फुलहम को 5-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ, सिटी ने इंग्लिश फ़ुटबॉल में एक ही प्रतिद्वंद्वी (फुलहम) के खिलाफ लगातार 19वीं जीत हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। स्टार खिलाड़ी एर्लिंग हालैंड ने एक बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह

प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे तेज 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 111 मैचों में किया और एलन शीयरर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। उन्होंने एलन से 13 मैच कम में यह कारनामा कर दिखाया। एलम शियरर ने 124 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी।

कुछ ऐसा रहा मैच का हाल

सिटी के लिए हालैंड, रेइन्डर्स, फिल फोडेन (दो बार) और सैंडर बर्गे के एक ओन गोल की मदद से उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बना ली थी। इसके बाद फुलहम ने वापसी की कोशिश की। इवोबी और चुकवुएजे ने गोल (दो बार) करके अंतर कम किया। फुलहम लगभग बराबरी पर पहुंचने ही वाला था। लेकिन खेल खत्म होने से ठीक पहले ग्वार्डियोल ने गोल-लाइन से एक महत्वपूर्ण बचाव (क्लियरेंस) करके मैनचेस्टर सिटी की बढ़त को बनाए रखा और उन्हें पूरे तीन अंक दिलाए। इस जीत से सिटी 28 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है, जो लीडर आर्सेनल से दो पॉइंट पीछे है। वहीं, फुलहम 17 पॉइंट्स के साथ 15वें स्थान पर बरकरार है।

● मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025

भारत ने स्विट्जरलैंड को 5-0 से रौंदा

● क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम से होगा सामना

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय टीम मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के राउंड रॉबिन लीग स्टेज में अजेय रही। इस टीम ने मंगलवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ 5-0 से जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां भारतीय टीम 5 दिसंबर को बेल्जियम से भिड़ेगी। इससे पिछले मुकाबलों में भारत ने चिली को 7-0 से हराने के बाद ओमान के खिलाफ 17-0 से जीत दर्ज की थी। रोहित की कप्तानी और पीआर श्रीजेश की कोचिंग में भारतीय टीम ने मुकाबले के दूसरे मिनट में ही खाता खोला। बर्थडे बॉय मनमीत सिंह ने मेजबान टीम को बढ़त दिला दी। उन्होंने 11वें मिनट में एक और शानदार फील्ड गोल करके लीड को दोगुना कर दिया। इसके बाद शारदा नंद तिवारी ने मुकाबले के 13वें मिनट में टीम का स्कोर 3-0 कर दिया।

भारतीय टीम ऐसी ही शुरुआत चाहती थी। मदुरै इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में भारतीय खिलाड़ियों ने खराब मौसम के बावजूद मैच देखने पहुंचे दर्शकों का दिल जीत लिया था।

मुकाबले के 28वें मिनट अर्शदीप सिंह ने गोल दागते हुए भारत को 4-0 से आगे कर दिया। अर्शदीप ने इससे पहले ओमान के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी। इस बीच गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए, जिसके चलते स्विट्जरलैंड की टीम अपना खाता नहीं खोल सकी। भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे क्वार्टर में भी लय बनाए रखी। शारदा नंद ने मुकाबले के 54वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए अपना दूसरा गोल दागा। इसी के साथ भारत ने 5-0 से बढ़त हासिल कर ली।

सेंथिलकुमार और अनाहत का शानदार प्रदर्शन

स्क्वाश इंडियन टूर चार के क्वार्टर फाइनल में

चेन्नई, एजेंसी। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने प्री क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका के राविंदु लाकसिरी को 11-7, 11-8, 11-7 से हराया, जबकि दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने चेक गणराज्य की तमारा होल्जबोरोवा को 11-7, 11-7, 11-7 से शिकस्त दी। पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार और महिला राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। सेंथिलकुमार और अनाहत मंगलवार को आसान जीत के साथ एचसीएल स्क्वाश इंडियन टूर चार के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे। दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने प्री क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका के राविंदु लाकसिरी को 11-7, 11-8, 11-7 से हराया, जबकि दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने चेक गणराज्य की तमारा होल्जबोरोवा को 11-7, 11-7, 11-7 से शिकस्त दी। भारत के दोनों शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली थी। दुनिया की पूर्व 10वें नंबर की खिलाड़ी जोशना चिनप्पा, महिलाओं के वर्ग में छठी वरीय तन्वी खन्ना और पुरुषों के वर्ग के दूसरे वरीय वीर चोटरानी भी अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रहे।

कोहली-ऋतुराज के शतक

● भारत ने साउथ अफ्रीका को 359 रन का दिया था लक्ष्य

रायपुर (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा वनडे रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारतीय टीम ने वनडे में लगातार 20वां टॉस गंवाया। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया है।

टीम इंडिया ने 41 ओवर में 5 विकेट पर 358 रन बनाए थे। अफ्रीका को जीतने के लिए 369 रन बनाने थे। वॉशिंगटन सुंदर एक रन बनाकर आउट हुए। के राहुल ने शानदार अर्द्धशतक बनाया। विराट कोहली 102 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें लुंगी एनगिडी ने ऐडन मार्करम के हाथों कैच कराया।

ऋतुराज गायकवाड (105 रन) को मार्को यानसन ने टोनी डी जॉर्जी के हाथों कैच कराया। यशस्वी जायसवाल 22 और रोहित शर्मा 14 रन बनाकर आउट हुए। साउथ अफ्रीका से नांद्रे बर्गर और मार्को यानसन को 1-1 विकेट मिला।

38वें ओवर में विराट कोहली ने शतक पूरा किया। उन्होंने 90 बॉल पर शतक पूरा किया। उन्होंने मिडऑन पर बैकफुट पंच करके एक रन लिया और शतक पूरा किया। फिर अपने अंदाज में छलांग लगाई और रिंग चूमकर सेलिब्रेशन किया। कोहली ने वनडे करियर में 53वां शतक लगाया। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 84 शतक हो चुके हैं। 36वें ओवर में भारत ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर ऋतुराज गायकवाड 105 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मार्को यानसन ने टोनी डी जॉर्जी के हाथों कैच कराया। ???गायकवाड वनडे में पहला शतक लगाने के बाद इमोशनल हो गए। उन्हें कोहली ने गले लगाया। इसी के साथ 195 रनों की पार्टनरशिप ब्रेक हुई।

रोहित शर्मा ने भारत में 9 हजार रन पूरे किए

रोहित शर्मा ने भारत में 9 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड और विराट कोहली भारतीय पिच पर यह कारनामा कर चुके हैं।

रोहित शर्मा 8 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट

5वें ओवर में भारत ने पहला विकेट गंवाया। यहां रोहित शर्मा 8 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नांद्रे बर्गर ने विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के हाथों कैच कराया। इससे पहले रोहित ने बर्गर की बॉल पर लगातार 3 चौके लगाए थे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025

विराट कोहली विजय हजारे ट्रॉफी खेलने को तैयार, दिल्ली टीम को दी उपलब्धता की सूचना

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने दिल्ली टीम को अपनी उपलब्धता बता दी है। दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने इस बात की पुष्टि की है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अशोक शर्मा ने मंगलवार (2 दिसंबर 2025) को जनसत्ता से इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हां, यह सही है। उन्होंने अपनी उपलब्धता बताई है। अशोक शर्मा ने बताया, 'भारत बनाम साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज के बाद वह इंग्लैंड लौट जाएंगे। विजय हजारे ट्रॉफी के लिए फिर भारत आएंगे। विजय हजारे ट्रॉफी 24 दिसंबर से 18 जनवरी तक होनी है। विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली का अभियान 24 दिसंबर को बेंगलुरु में आंध्र के खिलाफ मैच से शुरू होगा। टूर्नामेंट में उसे कुल 6 मैच खेलने हैं। माना जा रहा है कि विराट कोहली दिल्ली के लिए सभी मैचों में उपलब्ध नहीं रह पाएंगे। भारत के लिए अब सिर्फ एक प्रारूप में खेलने वाले विराट कोहली अभी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में खेल रहे हैं। विराट कोहली फरवरी 2010 में सेना के खिलाफ खेलने के बाद पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी करेंगे। सैंतीस साल के विराट कोहली ने रांची में श्रृंखला के पहले मैच में अपना 52वां शतक बनाया। इससे पता चलता है कि वह इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के बाद खेल के सिर्फ एक प्रारूप में खेलने के बावजूद लय में हैं। विराट कोहली ने बारबडोस में 2024 विश्व कप में भारत की जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। जब कोहली मैदान पर होंगे तो प्रशंसकों के बड़ी संख्या में मैदान पर आने की उम्मीद है। इस साल की शुरुआत में कोहली एक रणजी ट्रॉफी मैच में आकर्षण का केंद्र थे जब उन्होंने 12 साल से अधिक समय में अपना पहला प्रथम श्रेणी मैच खेला था।

टेनिस में वापसी करेंगी दिग्गज सेरेना विलियम्स?

राज पर से हटाया पर्दा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संन्यास ले चुके किसी भी खिलाड़ी को वापसी करने के लिए सबसे पहले डोप परीक्षण के लिए पंजीकरण करना होता है। सेरेना ने जब ऐसा किया तो सोशल मीडिया पर कयासों का दौर चल उठा कि वह प्रोफेशनल टेनिस में वापसी करने जा रही हैं। अब खुद सेरेना ने इसका खंडन किया है।

सेरेना विलियम्स ने इन खबरों का खंडन किया है कि वह टेनिस में वापसी की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि वह वापस नहीं कर रही हैं। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के प्रवक्ता ने कहा कि 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने खेल के ड्रग परीक्षण निकाय के साथ पंजीकरण कराया है। इसके बाद ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थी।

संन्यास ले चुके किसी भी खिलाड़ी को वापसी करने के लिए सबसे पहले डोप परीक्षण के लिए पंजीकरण करना होता है। टेनिस जगत की महानतम खिलाड़ियों में से एक 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 में अमेरिकी ओपन के बाद किसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है। सेरेना ने कहा, 'हे भगवान, यह खबर जंगल की आग की तरह क्यों फैल गई। मैं वापसी नहीं कर रही हूं।'

सूर्यवंशी का तूफान, 58 गेंदों में शतक

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में फिर मचाया कोहराम

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में बिहार के उप-कप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला आखिरकार पूरा गरजा. वैभव पर शुरुआती तीन मैचों में रन न आने से दबाव बढ़ रहा था. महाराष्ट्र के खिलाफ चौथे मुकाबले में इस युवा बल्लेबाज ने ऐसा धमाका किया कि सभी हैरान रह गए. सूर्यवंशी ने जितने चौके लगाए, उतने ही छक्के लगाकर ऐसा हाहाकार मचाया, जिसने विरोधी गेंदबाजों का पूरा प्लान ध्वस्त कर दिया.

ओपनिंग में नहीं मिला साथ- बिहार की शुरुआत काफी डगमगाने वाली रही. पहले ओवर में ही ओपनिंग पार्टनर बिपिन सौरभ सस्ते में आउट हो गए. दूसरे विकेट पर भी साझेदारी लंबी नहीं चली. इसके बाद भी वैभव ने एक छोर को मजबूती से संभाले रखा. तीसरे विकेट पर आकाश राज के साथ उन्होंने तेज 50 से ज्यादा रनों की पार्टनरशिप की और टीम को मुश्किल से बाहर निकाला. आकाश राज के आउट होने के बाद वैभव बिल्कुल अलग मोड में आ गए. गेंद को देखने के बाद ही मारने की क्लासिक स्टाइल में उन्होंने पहले हाफ सेंचुरी पूरी की, फिर आखिरी ओवरों में रफ्तार बढ़ाते हुए शतक तक पहुंच गए.

पिछले 3 मैचों के बाद की शानदार वापसी- टूर्नामेंट के पहले तीन मुकाबलों में वैभव सूर्यवंशी कुल मिलाकर केवल 32 रन ही बना सके थे. उनकी आलोचना भी हो रही थी, दबाव भी था, लेकिन उन्होंने मैदान में अपने खेल से सभी सवालों का जवाब दे दिया. महाराष्ट्र के खिलाफ जमाया गया यह शतक सिर्फ मैच बदलने वाला नहीं था, बल्कि उनके सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के करियर का पहला शतक भी रहा.

वैभव सूर्यवंशी का तूफान

बिहार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 176 रन बनाए, जिनमें से अकेले 108 रन वैभव सूर्यवंशी ने ठोक डाले. खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत भले शांत तरीके से की हो, लेकिन जैसे-जैसे इनिंग आगे बढ़ी, उनका बल्ला तेजी से आग उगलने लगा. वैभव ने 61 गेंदों पर नाबाद 108 रनों की शानदार पारी खेली. उनकी पारी में 7 चौके और 7 छक्के शामिल रहे. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 177 से ज्यादा का रहा.

आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल्स कल से शुरू

भारतीय निशानेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा, एजेंसी। भारत की दो शीर्ष पिस्टल निशानेबाज मनु और ईशा सिंह 10 मीटर एयर और 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में जीत की प्रबल दावेदार होंगी। उन्होंने विश्व कप और विश्व चैम्पियनशिप में अपनी रैंकिंग और प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष 12 में जगह बनाई है। इस साल अभी तक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले भारत के शीर्ष निशानेबाज गुरुवार से दोहा में शुरू होने वाले एलीट आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल्स में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर इस सत्र का शानदार समापन करना चाहेंगे। सत्र के आखिर में होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत के 14 शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, जिनमें पेरिस ओलंपिक की दो कांस्य पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर, विश्व चैंपियन सम्राट राणा और विश्व कप में कई पदक जीतने वाली विजेता सुरुचि सिंह शामिल हैं। ये निशानेबाज प्रत्येक स्पर्धा के व्यक्तिगत वर्ग में विश्व के शीर्ष 12 निशानेबाजों के साथ अपनी चुनौती पेश करेंगे। भारत ने इससे पहले काहिरा (पिस्टल/राइफल) और एथेंस (शॉटगन) में विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करके ओलंपिक और गैर ओलंपिक स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण सहित 14 पदक जीते। अब वे विश्व कप फाइनल में इस सफलता को दोहराने की कोशिश करेंगे, जिसमें प्रत्येक वर्ग में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेता को क्रमशः 5,000, 4,000 और 2,000 यूरो की आकर्षक पुरस्कार राशि मिलेगी। भारत की दो शीर्ष पिस्टल निशानेबाज मनु और ईशा सिंह 10 मीटर एयर और 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में जीत की प्रबल दावेदार होंगी। उन्होंने विश्व कप और विश्व चैम्पियनशिप में अपनी रैंकिंग और प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष 12 में जगह बनाई है। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में हाल ही में काहिरा में चैंपियन बने सम्राट राणा और कांस्य पदक जीतने वाले वरुण तोमर भाग लेंगे।

न्यूज डायरी

विशेष जांच के दौरान विकास कार्यों और ठेकेदारों के भुगतान पर कोई रोक नहीं

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने स्पष्ट किया है कि राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा की जाने वाली विशेष जांच के दौरान विकास कार्यों को रोकने या ठेकेदारों को भुगतान रोकने संबंधी कोई भी निर्देश सरकार या विभाग द्वारा जारी नहीं किए गए हैं।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, मंडल आयुक्तों, उपायुक्तों, बोर्डों एवं निगमों के प्रबंध निदेशकों तथा विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को एक पत्र जारी किया गया है।

पत्र में स्पष्ट किया गया है कि सरकार की दिनांक 12 मई, 2015 की हिदायतों के अनुसार, राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की तकनीकी शाखा द्वारा विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों से, चल रहे कार्यों की प्राप्त सूची, शिकायतों, प्रारंभिक रिपोर्टों अथवा सक्षम प्राधिकारी के निर्देशों के आधार पर कार्यों का चयन विशेष जांच हेतु किया जाता है।

सरकार के संज्ञान में आया है कि कुछ विभागों के अधिकारियों एवं अभियंताओं द्वारा उच्चाधिकारियों, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और जनसाधारण को यह कहते हुए कार्यों या भुगतान को रोका जा रहा है कि मामला सतर्कता विभाग में जांच के अधीन है अथवा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम द्वारा विशेष जांच की जा रही है। इस तरह की बातें सरासर भ्रामक और नियमों के विपरीत हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के कोई भी निर्देश कभी जारी नहीं किए गए हैं। विकास कार्यों का निष्पादन तथा पूरे हो चुका अथवा प्रगति पर चल रहे कार्यों का भुगतान संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है, जो अनुबंध की शर्तों और निर्धारित नियमों के अनुसार जारी रहना चाहिए। ऐसे मामलों में निर्णय संबंधित प्रशासनिक सचिव के स्तर पर लिया जाएगा।

सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं तथा यह भी हिदायत दी गई है कि इस सम्बन्ध में किसी भी तरह के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ (SBWL) की 8वीं बैठक

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ (SBWL) की 8वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य के वाइल्डलाइफ संरक्षण को सुदृढ़ करने और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वाइल्डलाइफ संरक्षण को मज़बूत करने पर विशेष फोकस करते हुए पुख्ता सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाए, ताकि वन्यजीवों का संरक्षण व संवर्धन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में पर्यावरण, वन एवं वन्य प्राणी मंत्री राव नरबीर सिंह, विधायक श्री रणधीर पणिहार और विधायक श्री तेजपाल तंवर भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और हरियाणा की समृद्ध जैव-विविधता को बचाने के लिए संरक्षण संबंधी योजनाओं को समय पर लागू करने पर बल दिया।

बैठक में विभाग की विभिन्न गतिविधियों और प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसमें कंज़र्वेशन पहलों, हैबिटैट सुधार कार्यों, वन्यजीव सुरक्षा उपायों, इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने, मानव-वन्यजीव टकराव को कम करने तथा रिसर्च-बेस्ड हैबिटैट मैनेजमेंट जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि अगस्त माह में सरस्वती कंज़र्वेशन रिज़र्व में वॉटरबॉडी, बायोडायवर्सिटी पार्क और इको-टूरिज्म सेंटर की नींव रखी गई। इसके अलावा, नवंबर माह में कलेसर नेशनल पार्क में श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर वन की स्थापना, सफारी गेट, कलेसर सफारी का भी उद्घाटन किया गया। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 3 लाख से अधिक पौधे लगाए गए।

बैठक में पर्यावरण, वन एवं वन्य प्राणी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में क्यूएए–क्यूसीआई और क्यूएए–एनएबीएल के बीच एम.ओ.यू.

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में बुधवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में क्वालिटी एश्योरेंस ऑथोरिटी, हरियाणा द्वारा दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए। ये समझौते क्रमशः क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली तथा नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (NABL) के साथ संपन्न हुए।

इन एम.ओ.यू. पर क्वालिटी एश्योरेंस ऑथोरिटी, हरियाणा के चेयरपर्सन श्री राजीव अरोड़ा तथा क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली के महासचिव श्री चक्रवर्ती टी. कनन ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एन.ए.बी.एल के चेयरमैन डॉ. संदीप शाह उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर कहा कि इन दोनों समझौतों से हरियाणा में न केवल तकनीकी दक्षता और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली को नया आयाम मिलेगा, बल्कि सार्वजनिक निर्माण कार्यों की विश्वसनीयता, सुरक्षा और स्थायित्व भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगा।

उन्होंने यह भी कहा की एन.ए.बी.एल के साथ हुए समझौते से प्रदेश की कृषि एवं मंडी प्रणाली को अधिक वैज्ञानिक और आधुनिक बनेगी । उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि एन.ए.बी.एल की तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए मंडियों में ऐसी लैब्स की स्थापना को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए, ताकि किसानों को वैज्ञानिक परीक्षण सुविधाएँ तुरंत उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में नमी (मॉइस्चर) मापने वाली अत्याधुनिक मशीनें उपलब्ध होने से किसानों को फसल की गुणवत्ता का सटीक एवं त्वरित मूल्यांकन मिल सकेगा, जिससे खरीद प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में सड़कों, पुलों, इमारतों, शहरी अवसंरचना तथा अन्य सार्वजनिक निर्माण कार्यों का तेजी से विस्तार हो रहा है। ऐसे में सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक परियोजना उच्च गुणवत्ता और वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप पूर्ण हो। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के माध्यम से इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों और निर्माण एजेंसियों को आधुनिक तकनीकों तथा अत्याधुनिक गुणवत्ता प्रणालियों का लाभ मिलेगा, जिससे परियोजनाओं की गति और सटीकता दोनों में वृद्धि होगी।

क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली के साथ हुए समझौते के तहत राज्य के इंजीनियरों, साइट पर्यवेक्षकों और ठेकेदारों को व्यापक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में बी.आई.एम., जी.आई.एस., ड्रोन तकनीक और डिजिटल कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट जैसे आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही सुरक्षा मानकों, पर्यावरण-अनुकूल निर्माण पद्धतियों, कचरा प्रबंधन तथा प्रदूषण नियंत्रण पर भी विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विभागों की तकनीकी क्षमता बढ़ेगी तथा डी.पी.आर. तैयारी, डिजाइन सत्यापन और साइट पर्यवेक्षण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। वहीं एन.ए.बी.एल के साथ हस्ताक्षरित एम.ओ.यू. का उद्देश्य राज्य की प्रयोगशाला परीक्षण प्रणाली को और अधिक विश्वसनीय तथा पारदर्शी बनाना है। एन.ए.बी.एल से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएँ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित होती हैं। इससे अब हरियाणा में सरकारी परियोजनाओं की परीक्षण रिपोर्टें वैज्ञानिक रूप से अधिक प्रामाणिक और विश्वसनीय होंगी। यह समझौता विभागों की निगरानी क्षमता को मजबूत करेगा, परीक्षण में त्रुटियों को कम करेगा तथा परियोजनाओं को समय पर पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होगा। इसके साथ ही राज्य का प्रयोगशाला पारिस्थितिकी तंत्र अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और जवाबदेह बनेगा।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा में सार्वजनिक निर्माण कार्यों और प्रयोगशाला परीक्षण मानकों को तकनीकी रूप से अधिक उन्नत एवं विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा यह महत्वपूर्ण पहल की गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सहकारिता विभाग की बजट घोषणाओं की करी समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गरीब परिवारों की आय के साधन बढ़ाने के उद्देश्य से गांवों में मिल्क प्रोड्यूसर्स सोसायटियाँ स्थापित की जाएँ। इन सोसायटियों में विधवाओं, स्वयं सहायता समूहों और अंत्योदय परिवारों को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री बुधवार को सहकारिता विभाग की बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत सोसायटियों को प्रोत्साहन राशि का भुगतान शीघ्र करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा सहकारिता विभाग को आपसी समन्वय के साथ योजनाएँ तैयार कर पशुपालकों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य गरीब परिवारों के लिए स्थायी आय के साधन विकसित करना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि दूध की खपत बढ़ाने के लिए वीटा बूथों पर दूध आधारित अन्य उत्पादों की बिक्री के नए विकल्प तलाशे जाएँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सभी सहकारी चीनी मिलों को लाभकारी बनाने के लिए भी सक्रिय कदम उठाए जाएँ।

बैठक में बताया गया कि बजट घोषणा के अनुरूप वर्तमान वित्तीय वर्ष में तीन खंडों में मिल्क कलेक्शन सेंटर तथा दो जिलों में मिल्क चिलिंग सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, हैफेड द्वारा सरसों तेल मिल और सूरजमुखी तेल मिल स्थापित करने की प्रक्रिया भी प्रगति पर है।

हरियाणा ने बढ़ाई यमुना प्रदूषण नियंत्रण अभियान की गति

मुख्य सचिव ने दिए ड्रेन-वाइज कमेटियां बनाने के निर्देश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने यमुना नदी की स्वच्छता और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों की गति बढ़ा दी है। इस संबंध में आज मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया।

बैठक में अपशिष्ट जल के शोधन, औद्योगिक अनुपालन और सीवरेज अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया गया।

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि यमुना में मिलने वाले 11 प्रमुख नालों से प्रतिदिन बहने वाले 1511.55 मिलियन लीटर अपशिष्ट जल में से लगभग 1000 मिलियन लीटर पहले से ही उपचारित किया जा रहा है, जो यमुना पुनर्जीवन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रदूषण स्तर को लगातार नियंत्रित रखने के लिए सभी नालों के पानी की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जा रही है।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि हर नाले के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मिलाकर मंडल

आयुक्त की अध्यक्षता में अलग-अलग कमेटियां गठित की जाएं। ये कमेटियां हर 10 दिन में बैठक करेंगी और प्रगति रिपोर्ट हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन को भेजेंगी।

बैठक में यह भी बताया गया कि राज्य ने यमुना कैचमेंट एरिया में सीवरेज शोधन क्षमता में व्यापक विस्तार किया है। वर्तमान में हरियाणा में 90 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 1518 एमएलडी है। इसके अतिरिक्त, 107 एमएलडी क्षमता के चार नए संयंत्र निर्माणाधीन हैं, जिनके मार्च 2027 तक पूरा होने की संभावना है। इसके अलावा, 227 एमएलडी क्षमता के नौ संयंत्रों का उन्नयन किया जा रहा है तथा 510 एमएलडी क्षमता के नौ नए संयंत्र प्रस्तावित हैं।

औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। राज्य में 184.5 एमएलडी क्षमता के 17 कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट संचालित हैं। दो प्लांट अपग्रेड किए जा रहे हैं और 146 एमएलडी क्षमता के आठ नए प्लांट प्रस्तावित हैं। अधिकांश बड़ी औद्योगिक इकाइयां इन संयंत्रों से जुड़ चुकी हैं अथवा उन्होंने स्वयं के स्तर पर अपशिष्ट शोधन संयंत्र स्थापित किए हैं, जिससे पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित हो रहा है।

बैठक में पेश किए गए ड्रेन-वाइज एक्शन प्लान से पता चला कि धनौरा एस्केप, ड्रेन नंबर 2, ड्रेन नंबर 6, मुंगेशपुर ड्रेन, केसीबी ड्रेन, ड्रेन नंबर 8, लेग-1, लेग-2, लेग

-3, बुढ़िया नाला और गौंची ड्रेन सहित सभी प्रमुख नालों पर कार्यों में निरंतर प्रगति हो रही है। बिना शोधन किए पानी को नदी में जाने से रोकने के लिए बड़े स्तर पर सीवर टैपिंग कार्य किया जा रहा है। नए संयंत्रों जैसे यमुनानगर में 77 एमएलडी, रोहतक में 60 एमएलडी और गुरुग्राम में प्रस्तावित 100 एमएलडी प्लांट के निर्माण से आने वाले वर्षों में यमुना में प्रदूषण भार और कम होगा। रोहतक, फरीदाबाद और गुरुग्राम में प्रमुख एसटीपी के अपग्रेडेशन का कार्य भी प्रगति पर है।

सरकारी स्कूलों का ढांचागत विकास करना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना प्रदेश सरकार की है मुख्य प्राथमिकता: शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्कूलों की ढांचागत स्थिति को मजबूत करना और विद्यार्थियों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक शिक्षण माहौल उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में सरकार स्कूलों में स्मार्ट शिक्षा पर जोर देने के साथ-साथ विद्यार्थियों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाओं पर तेजी से कार्य कर रही है।

शिक्षा मंत्री आज पंचकूला स्थित शिक्षा सदन में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले 5 साल में प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में करीब 26 हजार स्मार्ट क्लास बोर्ड उपलब्ध करवाए गए हैं, जिससे विद्यार्थी तकनीकी रूप से सक्षम हो रहे हैं। इसके साथ ही छात्रवृत्ति योजनाओं को भी और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थी बिना बाधा अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए राज्य के सरकारी स्कूलों में ड्यूल डेस्क की व्यवस्था करवाई जा रही है, ताकि बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में असुविधा न हो।

उन्होंने अधिकारियों के निर्देश दिए कि जल्द से जल्द शिक्षकों की ऑनलाइन ट्रांसफर का शेड्यूल जारी किया जाए।

बैठक में अवगत कराया कि पूरे देश में हरियाणा ऐसा एकमात्र राज्य है जहां सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को मिड-डे-मील में विशिष्ट और पौष्टिक मेन्यू उपलब्ध कराया जाता है। विद्यार्थियों को मिड-डे-मील में दूध, खीर, पिन्नी और अन्य पौष्टिक आहार दिया जाता है। इसके अतिरिक्त भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इसकी जांच भारत सरकार द्वारा स्वीकृत प्रयोगशाला से करवाई जाती है।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी स्कूल भवनों के निर्माण कार्यों को गति दी जाए, ताकि किसी भी विद्यार्थी को पढ़ाई के दौरान असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि स्कूलों का नियमित निरीक्षण अत्यंत आवश्यक है। अधिकारी समय-समय पर सरकारी स्कूलों का दौरा करें, खामियों को चिन्हित करें और उन्हें दूर करने की दिशा में तुरंत कार्यवाही करें।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षक समय पर कक्षाओं में पढ़ाई करवाना सुनिश्चित करें। अध्यापन कार्य में लापरवाही या उदासीनता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में संबंधित शिक्षकों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि एसीपी व मेडिकल से संबंधित सभी लंबित मामलों का निपटारा प्राथमिकता से और शीघ्रता से किया जाए, ताकि कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। श्री ढांडा ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि हरियाणा के सरकारी स्कूल आधुनिक सुविधाओं, समृद्ध संसाधनों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण से लैस हों। सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा का प्रत्येक बच्चा मजबूत बुनियाद और उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ अपने भविष्य की ओर आगे बढ़ सके। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा श्री विनित गर्ग, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी श्री राज नेहरू, मौलिक शिक्षा महानिदेशक श्री विवेक अग्रवाल, स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक श्री जितेंद्र दहिया व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा में ऑपरेशन हॉटस्पॉट्स डॉमिनेशन: 284 ठिकानों पर छापेमारी, एक ही दिन में 52 गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस ने अपराध, नशा तस्करी और अवैध गतिविधियों के खिलाफ राज्यव्यापी ऑपरेशन हॉटस्पॉट्स डॉमिनेशन शुरू किया है। 1 दिसंबर 2025 को सभी जिलों में समन्वित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 284 अपराध, नशा, अवैध शराब और जुआ-सट्टा हॉटस्पॉट्स पर छापेमारी की, 34 एफआईआर दर्ज कीं और 52 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अभियान का फोकस इंटरस्टेट और इंट्रास्टेट ड्रग नेटवर्क तोड़ने, नशा व अवैध शराब के सौदागरों पर ज़ीरो टॉलरेंस और आदतन हिंसक अपराधियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई पर है।

पहले दिन पुलिस ने 3,600 टैबलेट, 114 कैप्सूल, 3.07 किलो गांजा, 350.3 ग्राम हेरोइन, 40.68 ग्राम स्मैक, 13.68 किलो पोपी हस्क और 190 किलो चूरा पोस्ट समेत बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ, 90 बोतल देशी व 72 बोतल अवैध शराब, 120 लीटर लाहन, 82,867 रुपये नकद और एक देसी कट्टा व कारतूस बरामद किए।

जिलावार प्रदर्शन में करनाल छह गिरफ्तारियों और 190 किलो चूरा पोस्ट की जब्ती के साथ सबसे आगे रहा, जबकि अंबाला, गुरुग्राम और नारनौल में पाँच–पाँच, सिरसा में चार तथा फरीदाबाद, पंचकूला, सोनीपत, पानीपत और फतेहाबाद में तीन–तीन आरोपी काबू किए गए। डबवाली में 311.48 ग्राम हेरोइन और 100 लीटर लाहन जब्त हुई।

पुलिस ने एक हिंसक अपराधी की संपत्ति कुर्क करने के साथ 14 फरार हिंसक अपराधियों को भी गिरफ्तार किया और 14 नशा पीड़ितों को सहायता दी।

पुलिस ने साफ किया है कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट्स डॉमिनेशन आने वाले हफ्तों में और तेज होगा, इंटेलिजेंस–बेस्ड रेड, बढ़ी हुई निगरानी और हर शहरी–ग्रामीण हॉटस्पॉट पर कड़ी नज़र रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने होम डिपार्टमेंट के डैशबोर्ड को किया लॉन्च

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज गृह विभाग के डैशबोर्ड का उद्घाटन किया। यह एक बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो पूरे राज्य में कानून लागू करने, इमरजेंसी में मदद करने और पब्लिक सेफ्टी मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव लाएगा।

इस पहल को एक अहम मील का पत्थर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नए सिस्टम से सीनियर अधिकारी एक ही इंटरफ़ेस पर पुलिस, फायर, एम्बुलेंस, जेल और दूसरे ज़रूरी विंग से रियल-टाइम जानकारी पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे गृह विभाग में समन्वय बेहतर होगा, क्षमता बढ़ेगी और तेज़ी से फैसले लेने में मदद मिलेगी।

श्री नायब सिंह सैनी ने इस नई पहल के लिए होम सेक्रेटरी और दूसरे सीनियर अधिकारियों और टेक्निकल टीम को बधाई दी।

यह इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस), डायल-112 इमरजेंसी रिस्पॉन्स, ई-प्रिज़न, ई-चालान, फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी और इससे जुड़े प्लेटफॉर्म जैसे ज़रूरी सिस्टम को एक साथ लाता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को डैशबोर्ड के साथ ई-समन और ई-चालान को जोड़ने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने डैशबोर्ड के ज़रिए हरियाणा की सभी 20 जेलों की रियल टाइम में लाइव मॉनिटरिंग की तारीफ़ की। इससे अधिकारी कैदियों के ट्रांसफर, एक्सपेंशन की ज़रूरतों और भीड़ कम करने के उपायों की प्लानिंग कर पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की रियल-टाइम विजिबिलिटी से ज्यादा जानकारी और समय पर प्रशासनिक कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

बैठक में गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि 1 जुलाई, 2024 से 30 नवंबर, 2025 के बीच डैशबोर्ड पर 1,78,038 एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें से 1,32,790 केस निपटाए जा चुके हैं, जो 74.58 प्रतिशत डिस्पोज़ल रेट दिखाता है।

इमरजेंसी में, पुलिस अब एवरेज 11 मिनट 54 सेकंड का रिस्पॉन्स टाइम देती है और डिस्पैच 7 मिनट 36 सेकंड के अंदर हो जाता है। उन्होंने कहा कि एम्बुलेंस सर्विस औसतन 23 मिनट 49 सेकंड में लोगों तक पहुंच रही हैं, जिससे उन्हें जल्दी मेडिकल मदद मिल रही है और नतीजे बेहतर हो रहे हैं।

मनीमाजरा–पिपलीवाला टाउन सड़क पैचवर्क अधूरा, ठेकेदार गायब; लोगों में रोष

हिन्द जनपथ
मनीमाजरा (ब्यूरो)। पिपलीवाला टाउन से लेकर मनसा देवी रोड तक की मुख्य सड़क का पैचवर्क कार्य पिछले कई दिनों से अधर में लटका हुआ है। सड़क निर्माण को लेकर बड़े दावे किए गए थे, उद्घाटन तक कर दिया गया था, नारियल फोड़ा गया, लड्डू बांटे गए और यह आश्वासन दिया गया कि जल्द ही पूरी सड़क दुरुस्त कर दी जाएगी। लेकिन कुछ ही दिनों बाद ठेकेदार पूरे सामान के साथ साइट से लापता हो गया और काम वहीं का वहीं रुक गया।

समाजसेवी रामेश्वर गिरी के अनुसार, अधिकारियों ने पहले कहा था कि एक सप्ताह के भीतर पिपलीवाला टाउन से मनसा देवी रोड तक पूरा पैचवर्क फ्री में किया जाएगा और उसके बाद सड़क निर्माण शुरू होगा। लेकिन सप्ताह क्या—कई हफ्ते निकल गए, पर काम दोबारा शुरू नहीं हुआ। जहां-जहां गड्ढे भरे जाने थे, वहाँ आज भी वाहन चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कुछ स्थानों पर मात्र 10 से 15 प्रतिशत पैचवर्क किया गया है, जबकि बाकी सड़क टूटे हुए हिस्सों सहित जस-की-तस पड़ी है।

रमेशवार गिरी का कहना है कि अधूरा पैचवर्क सड़क की स्थिति पहले से भी अधिक ख़राब कर रहा है। गड्ढे बड़े हो गए हैं और जगह-जगह उभरे हिस्सों के कारण दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। कई बार शिकायतें करने के बाद भी न तो काम शुरू हुआ और न ही कोई अधिकारी मौके पर स्थिति का जायजा लेने आया।

गिरी ने यह सवाल भी उठाया कि जब उद्घाटन हो चुका था और सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा कर दी गई थी, तो ठेकेदार अचानक क्यों चला गया? बार-बार कार्य छोड़कर भागने के पीछे क्या कारण हैं? क्या भुगतान में गड़बड़ी है या काम की निगरानी में कमी?

गिरी का यह भी आरोप है कि अब स्थिति ऐसी हो गई है कि सड़क बनना तो बहुत दूर की बात है, गड्ढे. भरना भी मुश्किल लग रहा है। वाहन चालकों को रोज़ाना जान जोखिम में डालकर इस सड़क से गुजरना पड़ता है।

उन्होंने मांग की है कि पूरे मामले की विजिलेंस जांच की जाए, ताकि यह पता चल सके कि ठेकेदार बार-बार काम छोड़कर क्यों फरार हो जाता है और स्थिति नहीं सुधरी, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।